दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

jaipurtimes.org
twitter.com/JaipurTimes2
dainikjaipurtimes
youtube.com/c/JaipurTimes
instagram.com/jaipurtimesjt

वर्ष : 10 | अंक : 69 | डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 | जयपुर, बुधवार 2 अप्रेल, 2025 | RNI.No.RAJHIN/2016/70162 | मूल्य : 1.5 रुपए | पृष्ठ : 8+2

भारत का रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपये तक पहुंचा: 2029 तक होगा 50,000 करोड़: राजनाथ सिंह

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसीं)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को बताया कि भारत का रक्षा निर्यात 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये (लगभग 2.76 बिलियन अमेरिकी डॉलर) के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर तक पहुंच गए हैं, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12.04 प्रतिशत अधिक है।

राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि देश 2029 तक रक्षा निर्यात के 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार है। बता दें कि 2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात का आकड़ा 21,083 करोड़ रुपये था।

2029 तक भारत एक बड़ा लक्ष्य हासिल करने को तैयार

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत 2029 तक रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल करने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने सभी संबंधित पक्षों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी। मामले में रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) ने 2024-25 में अपने निर्यात में 42.85 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है, जो वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों की बढ़ती स्वीकार्यता और देश के रक्षा उद्योग की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भागीदारी को दर्शाता है। मामले में रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी आकड़ों में बताया गया कि निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने 2024-25 के रक्षा निर्यात में क्रमशः 15,233 करोड़ रुपये और 8,389 करोड़ रुपये का योगदान दिया। 2023-24 में ये आंकड़े क्रमशः 15,209 करोड़ रुपये और 5,874 करोड़ रुपये थे। साथ ही मंत्रालय ने कहा कि भारत अब बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर सैन्य बल से आत्मनिर्भरता और स्वदेशी उत्पादन की ओर बढ़ रहा है। रक्षा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, गोला-बारूद, हथियार, उप-प्रणाली और अन्य वस्तुएं 80 देशों को निर्यात की गई हैं। इसके अलावा, रक्षा मंत्रालय ने बताया कि 2024-25 में 1,762 निर्यात प्राधिकरण जारी किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 17.4 प्रतिशत अधिक हैं।

न्यूज इनबॉक्स

बहुचर्चित वक्फ संशोधन बिल आज लोकसभा में पेश होगा,8 घंटे की चर्चा तय

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसीं)। वक्फ संशोधन बिल 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के बाद दोपहर 12 बजे लोकसभा में पेश होगा। स्पीकर ओम बिरला ने इस पर 8 घंटे चर्चा तय की है। एनडीए को 4 घंटे 40 मिनट और विपक्ष को शेष समय मिलेगा। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी ने यह जानकारी दी, लेकिन विपक्ष ने चर्चा का समय 12 घंटे करने की मांग की। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है। हालांकि, कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने बीएसी बैठक से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाया। इस बिल को लेकर इंडिया ब्लॉक ने रणनीति बनाने के लिए बैठक की। लोकसभा में बहस के लिए भाजपा, कांग्रेस, जेडीयू और टीडीपी समेत कई दलों ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। चर्चा के बाद बिल को लोकसभा में पारित किया जाएगा।

जेलों में गैंग तोड़ने के लिए सरकार की कवायदः मोबाइल पकड़वाओ, इनाम पाओ

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। प्रदेश की जेलों से सीएम, डिप्टी सीएम सहित कई बड़े वीवीआईपी को जान से मारने की धमकी भरे कॉल पिछले एक साल में बार-बार आए हैं। हाल में डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा को जेल से धमकी देने वाले अपराधी ने खुलासा किया था कि जेल में अपराधियों ने अपने एसटीडी-पीसीओ चला रखे हैं जहां एक मिनट बात करवाने के 100 रुपए वसूले जाते हैं। इसके बाद जेल पर छापा मारकर कई जेल प्रहरियों को सस्पेंड भी किया गया अब डीजी पुलिस जेल में जैमर लगवाने की बात भी कह रहे हैं लेकिन इन सबसे हटकर अब डीजी जेल ने एक ऑफर तैयार किया है, जिसमें जेलकर्मियों को जेल में मोबाइल फोन पकड़वाने पर इनाम और प्रमोशन दिए जाने की बात कही गई है। डीजी जेल गोविंद गुप्ता ने यह आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि मोबाइल फोन व प्रतिबंधित सामग्री पकड़ने के लिए जेल में निगरानी बढ़ाई जाएगी। इसमें यदि जेल प्रहरी और अन्य जेलकर्मी अवैध गतिविधियों को पकड़वाने में सहायक सूचना देते हैं तो उससे प्रभावी कार्रवाई होती है तो उन्हें प्रमोशन और विशेष लाभ दिए जाएंगे। गौरतलब है कि विधानसभा में भी जेलों से लोगों को धमकाने का मुद्दा जोरों से उठ चुका है। इसके अलावा पिछले महीने 26 मार्च को डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा जेल से जान से मारने की धमकी दी गई थी। इसके 2 दिन बाद ही बीकानेर जेल से पुलिस कंट्रोल रूम में फोन कर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी जान से मारने की धमकी दी गई थी।

छात्रा ने की आत्महत्या, शव को अकेले ही टैक्सी में ले गया हॉस्टल संचालक; परिजनों ने उठाए कई सवाल

जोधपुर(निं.सं)। जोधपुर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा NEET की तैयारी कर रही 25 वर्षीय छात्रा संगीता ने सोमवार रात अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मृतका के पिता ने हॉस्टल संचालक तुषार गहलोत पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया है। परिजनों का कहना है कि संगीता आत्महत्या नहीं कर सकती, बल्कि उसकी हत्या की गई है। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि हॉस्टल संचालक तुषार गहलोत ने बिना पुलिस को जानकारी दिए संगीता के शव को फंदे से उतारा और अकेले ही टैक्सी में अस्पताल ले गया। पहले उसे गोयल अस्पताल ले जाया गया और फिर महात्मा गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कमरा बंद था, फिर दरवाजा कैसे खुला?

परिजनों ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए कई सवाल उठाए हैं। परिजनों का कहना है कि यदि कमरा अंदर से बंद था, तो हॉस्टल संचालक ने दरवाजा कैसे खोला? उसने आसपास के लोगों या

डीजीपी की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की पालना कर रही त्रिपुरा सरकार

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसीं)। त्रिपुरा की सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वे डीजीपी की नियुक्ति में सर्वोच्च अदालत के आदेश का पालन कर रहे हैं। त्रिपुरा सरकार ने कहा कि उन्होंने डीजीपी की नियुक्ति की प्रक्रिया 7 मार्च से शुरू भी कर दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने एनजीओ मोंद्रा की याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में त्रिपुरा सरकार पर आरोप लगाया गया कि वे डीजीपी की नियुक्ति में सुप्रीम कोर्ट के पुलिस सुधार संबंधी साल 2006 के आदेश का पालन नहीं कर रही है। साल 2006 में प्रकाश सिंह मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि कानून व्यवस्था से इतर जांच के साथ ही सरकार को डीजीपी की नियुक्ति से पहले संघ लोकसेवा आयोग से भी चर्चा करनी चाहिए। आदेश के अनुसार, डीजीपी का चुनाव मौजूदा डीजीपी के रिटायरमेंट से पहले ही कर लिया जाना चाहिए और यह वरिष्ठता, अनुभव और मेरिट के आधार पर होना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि एडहॉक डीजीपी की नियुक्ति के बजाय राज्यों को पूर्णकालिक डीजीपी की नियुक्ति करनी चाहिए। इसके लिए यूपीएससी तीन वरिष्ठ अधिकारियों के नाम राज्य सरकार को सुझाए, जिनमें से सरकार किसी एक नाम पर सहमति दे। याचिका में आरोप लगाया गया कि त्रिपुरा की डीजीपी की नियुक्ति में न्यायपालिका के आदेश का पालन नहीं किया जा रहा है। साथ ही नियुक्ति में पारदर्शिता और मेरिट का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। इस पर राज्य सरकार की तरफ से पेश हुए वकीलों ने याचिकाकर्ता के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि न्यायपालिका के आदेश के तहत ही नियुक्ति की जा रही है और 7 मार्च को इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने महुआ मोइत्रा की याचिका पर सेबी से किया प्रतिनिधित्व का अनुरोध

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा से कहा कि वे वैकल्पिक निवेश कोषों (एआईएफ) और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के पोर्टफोलियो होल्डिंग्स के सार्वजनिक प्रकटीकरण को अनिवार्य बनाने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को विस्तृत प्रतिनिधित्व दें। न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मोइत्रा की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें सेबी से यह आग्रह किया गया था कि वह एआईएफ, एफपीआई और उनके भारत में मध्यस्थों के अंतिम लाभकारी मालिकों और उनके पोर्टफोलियो का सार्वजनिक प्रकटीकरण अनिवार्य करे।

अक्षय ऊर्जा परियोजना का विरोध करने वाले एक एनजीओ को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार-

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को महाराष्ट्र के जयकवाड़ी बांध में अक्षय ऊर्जा परियोजना का विरोध करने वाले एक एनजीओ को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर हर परियोजना का विरोध किया जाएगा, तो देश कैसे आगे बढ़ेगा। जयकवाड़ी बांध को पक्षी अभयारण्य और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र घोषित किया गया है। कोर्ट की बेंच, जिसमें जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह शामिल थे, ने एनजीओ कहार समाज पंच समिति की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि आपको किसने नियुक्त किया और किसने आपको फंड दिया? पर्यावरण संरक्षण में आपका क्या अनुभव है? इसके बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस एनजीओ की याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 9 सितंबर 2024 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की ओर से याचिका खारिज करने के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने कहा कि ग्रीन पैनल ने मामले की सही तरीके से समीक्षा की थी।

विधायक वीरेंद्र सिंह और आईजी अजयपाल लांबा के बीच विवादः भाजपा नेता ने काटा फीता, कांग्रेस का विरोध

सीकर। सीकर के खाटूश्यामजी सदर थाने के उद्घाटन के दौरान कांग्रेस विधायक *वीरेंद्र सिंह* और जयपुर रेंज आईजी *अजयपाल लांबा* के बीच प्रोटोकॉल को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता *गजानंद कुमावत* ने फीता काट दिया, जिस पर विधायक ने कड़ा विरोध जताया और समर्थकों के साथ नारेबाजी की। मंगलवार दोपहर हुए इस उद्घाटन समारोह में आईजी *अजयपाल लांबा* और सीकर एसपी *भुवन भूषण यादव* भी मौजूद थे। उद्घाटन के दौरान विधायक ने आईजी से कहा कि फीता या तो वे खुद काटें या एसपी को दें, लेकिन भाजपा नेता कुमावत को नहीं। इस पर आईजी ने कहा कि वे फीता नहीं काटेंगे, जिसके बाद कुमावत ने फीता काट दिया और अंदर चले गए।

विधायक वीरेंद्र सिंह का बयान

विधायक वीरेंद्र सिंह ने नाराजगी जताते हुए कहा, मैं प्रोटोकॉल में आईजी से बड़ा हूं, फिर भी मुझे नजरअंदाज किया गया। भाजपा नेता को फीता काटने की इजाजत क्यों दी गई?

गैसकांड में फैक्ट्री मालिक सहित 3 की मौत, 60 से ज्यादा भर्ती

प्रशासन ने खाली करवाए आसपास के घर

जयपुर टाइम्स

अजमेर(कां.सं)। ब्यावर में सोमवार रात एक तेजाब फैक्टरी के गोदाम में खड़े टैंकर से नाइट्रोजन गैस के रिसाव से बड़ा हादसा हो गया। इस घटना में फैक्टरी मालिक सुनील सिंघल (47) समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसे से प्रभावित 60 से अधिक लोगों को ब्यावर और अजमेर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। गैस का प्रभाव इतना गंभीर था कि आसपास के इलाकों में कई पालतू और आवारा जानवरों की भी मौत हो गई। घटना ब्यावर के बाड़िया क्षेत्र स्थित सुनील ट्रेडिंग कंपनी में सोमवार रात करीब 10 बजे हुई। फैक्टरी के गोदाम में खड़े टैंकर से अचानक नाइट्रोजन गैस का रिसाव शुरू हो गया। रिसाव इतनी तेजी से हुआ कि कुछ ही सेकंड में गैस आसपास के रिहायशी इलाकों तक फैल गई। गैस की चपेट में आने से स्थानीय लोगों को सांस लेने में तकलीफ, आंखों में जलन और उल्टी जैसी समस्याएं होने लगीं।

फैक्टरी मालिक सुनील सिंघल पूरी रात गैस को नियंत्रित करने की कोशिश में लगे रहे। स्थिति बिगड़ने पर उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मंगलवार सुबह दो अन्य पीड़ित, नरेंद्र सोलंकी (40) और दयाराम (52) ने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे में गंभीर रूप से बीमार दो अन्य मरीज, बाबूलाल (54) और लक्ष्मी देवी (62), अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं।

भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की दौड़ में कई दिग्गज, इस माह होगी नियुक्ति!

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसीं)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस महीने नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हालिया नागपुर दौरे और संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात के बाद इस प्रक्रिया में तेजी आई है। सूत्रों के अनुसार, 30 मार्च को हुई इस मुलाकात में नए अध्यक्ष के नाम पर चर्चा हुई। भाजपा अब तक 13 राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर चुकी है, जबकि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 19 राज्यों में प्रक्रिया पूरी करनी जरूरी है। पार्टी अगले हफ्ते उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत बाकी राज्यों में भी प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति कर लेगी, जिसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का रास्ता साफ होगा।

अगला अध्यक्ष बनने के 8 प्रमुख दावेदार

1. शिवराज सिंह चौहान - 4 बार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री, मजबूत संगठनात्मक पकड़, संघ से करीबी।
2. सुनील बंसल - भाजपा के संगठनात्मक चाणक्य, यूपी, ओडिशा, बंगाल में सफलता दिलाने का अनुभव।
3. धर्मेंद्र प्रधान - केंद्रीय मंत्री, ओडिशा से आते हैं, भाजपा को पूर्वी भारत में विस्तार में मदद कर सकते हैं।
4. रघुवर दास - झारखंड के पहले गैर-आदिवासी सीएम, भाजपा के ओबीसी चेहरे के रूप में उभर सकते हैं।
5. स्मृति ईरानी - प्रशासनिक अनुभव, हिंदी बेल्ट और दक्षिण भारत में प्रभाव, मजबूत महिला चेहरा।
6. वानति श्रीनिवासन - भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष, तमिलनाडु में भाजपा को मजबूती देने वाली नेता।
7. तमिलिसाई सौंदर्यराजन - तमिलनाडु भाजपा की पूर्व अध्यक्ष, दक्षिण भारत में पार्टी के विस्तार में योगदान।
8. डी. पुरंदेश्वरी - आंध्र प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, NTR की बेटी, तेलुगु राज्यों में भाजपा को बढ़त दिला सकती हैं।

फिलहाल जेपी नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पार्टी को नया अध्यक्ष चुनना है। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए, भाजपा नेतृत्व ऐसे चेहरे को चुन सकता है जो संगठन को और मजबूत कर सके।

राज्य सरकार खेल व खिलाड़ियों को आगे बढाने हेतु कृत संकलपित - बेढम

जयपुर टाइम्स

जयपुर,(कां.सं)। गृह, पशुपालन एवं डेयरी राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मंगलवार को अलवर जिले के कठूमर में गणगौर मेले के उपलक्ष्य में आयोजित कुश्ती दंगल कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान कठूमर विधायक श्री रमेश खींची भी मौजूद रहे। गृह राज्यमंत्री बेढम ने आमजन को सम्बोधित करते हुए कहा कि मेले हमारी प्राचीन संस्कृति की पहचान है।

इससे न केवल मनुष्य का भाईचारा बढ़ता है, अपितु एक सौहार्दपूर्ण वातावरण लोगों को देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल व खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित है। अलवर में बेटियों की कुश्ती एकेडमी बनाने की घोषणा राज्य सरकार ने की है शीघ्र ही बनकर तैयार होगी।

युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लें और नशे से दूर रहें ताकि समाज में सकारात्मक बदलाव आए और एक स्वच्छ समाज की नींव रखी जा सके। उन्होंने इस मौके पर उन्होंने आमजन की मांग पर खेल स्टेडियम बनबाने की घोषणा की।

भारत की व्यापार रणनीतिः अमेरिका के नए शुल्कों से निपटने के लिए तैयारियां शुरू

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति पूरी दुनिया में एक चर्चा का विषय बना हुआ है। इसी बीच भारत ने अमेरिका के संभावित नए आयात शुल्कों के खिलाफ तैयारी शुरू कर दी है। मामले में वाणिज्य मंत्रालय विभिन्न परिदृश्यों पर काम कर रहा है, क्योंकि 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से इन शुल्कों की घोषणा की संभावना है। ट्रंप ने इसे मुक्ति दिवस घोषित किया है, जिसमें वह अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने के लिए नए टैरिफ लागू कर सकते हैं। हालांकि भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर भी काम कर रहा हैं, लेकिन घरेलू उद्योग और निर्यातकों ने अमेरिका के टैरिफ का भारत के निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता जताई है। ये शुल्क भारतीय उत्पादों को वैश्विक बाजारों में कमजोर बना सकते हैं, खासकर जब अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझीदार है। सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय इन शुल्कों के असर को समझने और उससे निपटने के लिए

विभिन्न परिदृश्यों पर काम कर रहा है। हालांकि यह अभी भी साफ नहीं है कि अमेरिका किस तरीके से शुल्क लगाएगा और किस मात्रा में लगाएगा।

भारत और अमेरिका के बीच आयात शुल्क में अंतर

देखा जाए तो भारत और अमेरिका के बीच आयात शुल्क का अंतर भी है। उदाहरण के लिए, भारत में अमेरिकी सामानों पर 7.7 प्रतिशत का औसत शुल्क लगता है, जबकि अमेरिका भारतीय सामानों पर 2.8 प्रतिशत शुल्क लगता है। कृषि उत्पादों पर भी दोनों देशों के बीच बड़े अंतर हैं। मामले में व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि यह अंतर विभिन्न क्षेत्रों पर अलग-अलग असर डालेगा। जैसे रसायन, फार्मास्यूटिकल्स, कपड़े, आभूषण, और ऑटोमोबाइल उद्योग पर विशेष प्रभाव पड़ेगा। वहीं इस मामले में व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि व्यापक क्षेत्र स्तर पर, भारत और अमेरिका के बीच संभावित टैरिफ अंतर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग है। जैसे कि रसायन और दवाइयों के लिए 8.6, प्लास्टिक के लिए 5.6प्रतिशत, कपड़ा और परिधान के लिए 1.4प्रतिशत, हीरे, सोने और आभूषणों के लिए 13.3प्रतिशत, लोहा, इस्पात और अन्य धातुओं के लिए 2.5प्रतिशत, मशीनरी और कंप्यूटर के लिए 5.3, इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए 7.2प्रतिशत और ऑटोमोबाइल और ऑटो घटकों के लिए 23.1प्रतिशत है। साथ ही जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने ये भी कहा कि टैरिफ का अंतर जितना ज्यादा होगा, उस क्षेत्र पर उतना ही ज्यादा प्रभाव पड़ेगा।

सदर थाना पुलिस ने किया हत्या के एक प्रकरण का खुलासा, तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। सदर थाना पुलिस ने तूलेडस क्षेत्र में हुई एक हत्या के प्रकरण का खुलासा करते हुए मंगलवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।जिला पुलिस अधीक्षक अलवर संजीव नैन ने जानकारी देते हुऐ बताया कि 27 मार्च 2025 को एक परिवादियां ने एक रिपोर्ट थाना सदर में दी कि 26 मार्च की रात्री को मेरे पुत्र अनिल उसके साथी मोहित व दिलीप व सुधान्शु उर्फ सचिन पुत्र जातियान जाटव निवासीयान तुलेडा मेरे पुत्र को घर से अपने साथ ले जाकर शराब पिलाई और मारपीट कर मेरे पुत्र अनिल की हत्या कर दी। इस पुलिस थाना सदर में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान आरंभ किया गया। जहां डॉ0 प्रियंका अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अलवर के निर्देशन मे शिवानी सहायक पुलिस अधीक्षक आईपीएस (पी) वृत्ताधिकारी वृत्त ग्रामीण अलवर के सुपरविजन में रमेश सैनी पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना सदर पुलिस टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता से हत्या के प्रकरण का खुलासा करते हुए 3 आरोपी गिरफ्तार किये। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दिलीप कुमार, सुधान्शु उर्फ सचिन व मोहित जाटव निवासीयान तुलेडा थाना सदर अलवर जिला अलवर हैं। मामले का खुलासा गठित पुलिस टीम में रमेश सैनी पु0नि0 थानाधिकारी, दिलीप कांनि0 1972. विक्रम सिह कांनि0 524, शेरसिंह कांनि0 862, मनोज कुमार कांनि. 114 थाना सदर अलवर शामिल है।

गैस सिलेण्डर चोरी में एक गिरफ्तार व एक बाल अपचारी निरुद्ध

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। थाना राजगढ़ पुलिस ने गैस सिलेंडर चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर तथा एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया ओर उनके कब्जे से चोरी किये गये 8 गैस सिलेंडर बरामद किए हैं।जिला पुलिस अधीक्षक अलवर संजीव नैन ने जानकारी देते हुऐ बताया कि 27 मार्च 2025 को एक परिवादी ने एक रिपोर्ट थाना राजगढ़ में दी कि 14 मार्च को रात में मेरे घर से 4 गैस सिलेण्डर चोरी हो गये। उसी रात हमारे गांव के सावन के 2 सिलेण्डर व देशबंधु के घर से भी 2 सिलेण्डर चोरी हो गये। जिस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान आरंभ किया। जिसमें डॉ. प्रियंका, आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अलवर के सुपरविजन व मनीषा मीना, आरपीएस, वृत्ताधिकारी, वृत राजगढ, के निकट मार्गदर्शन में राजेश कुमार पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी थाना राजगढ़ के नेतृत्व में टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता से कार्यवाही करते हुऐ। गैस सिलेंडर चोरी करने वाले एक आरोपी सूर्य प्रकाश को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया। वहीं आरोपी सूर्य प्रकाश से 6 गैस सिलेंडर एवं निरुद्ध बाल अपचारी से 2 गैस सिलेंडर कुल 8 गैस सिलेंडर बरामद किए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सूर्य प्रकाश मीना निवासी घुणावत का बास कारोठ थाना राजगढ़ जिला अलवर शामिल है। वहीं एक बाल अपचारी को निरुध किया है। आरोपियों से चोरी के आठ गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। आरोपियों को गिरफ्तार व मामले का खुलासा करने के लिए पुलिस टीम में राजेश कुमार पुनि थानाधिकारी, बनवारी लाल सउनि धारा सिंह सउनि अजीत कांनि. 2048, रामलाल कांनि. 1365, धर्मवीर कांनि. 759, रतन लाल कांनि. 2233, अविनाश कांनि. 497 पुलिरा थाना राजगढ़ जिला अलवर शामिल रहे।

अपनाघर शालीमार में पाँच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आज से, रामनवमी पर होगी रामलला की मूर्ति स्थापना

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। अपनाघर शालीमार में भगवान श्री रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा व पाँच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन 2 अप्रैल से किया जाएगा अपनाघर शालीमार के निदेशक अशोक सैनी ने बताया कि 2 अप्रैल को भक्ति धाम मंदिर से श्रीराम मंदिर तक भव्य कलश यात्रा के साथ अनुष्ठान का प्रारंभ होगा ओर 6 अप्रैल तक पूजा अर्चना चलेगी वही 6 अप्रैल को रामनवमी पर भगवान श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी ।

निर्बाध विद्युत आपूर्ति कराने एवं पीएम सूर्यघर योजना से उपभोक्ताओं को लाभांवित करावें -जिला कलक्टर

जिला कलक्टर डॉ. शुक्ला ने ली विद्युत विभाग के अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को विद्युत विभाग के अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक लेकर ग्रीष्म ऋतु में निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु जिले के विद्युत तंत्र को सुदृढ करने एवं पीएम सूर्यघर योजना में शत-प्रतिशत घरेलू उभोक्ताओं को जोडने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।जिला कलक्टर ने अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु में आमजन की विद्युत की मांग को दृष्टिगत रखते हुए विद्युत तंत्र में किए जा रहे सुधारों में तेजी लाए। उन्होंने बजट में घोषणाओं की समीक्षा कर धरातल पर क्रियान्विति हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि फील्ड मॉनिटरिंग व्यवस्था को मजबूत करें। आमजन की विद्युत से संबंधित शिकायतों का त्वरित निराकरण करावें। इसके लिए नियंत्रण कक्ष निरन्तर सक्रिय रहे। इसी के साथ ही पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता में वृद्धि करें, ढीले तारों को कसवाए, नए ट्रांसफार्मर लगाए एवं खराब ट्रांसफार्मरों को दुरूस्त करावे।

पीएम सूर्यघर योजना में रजिस्ट्रेशन पर दिया जोर = जिला कलक्टर ने पीएम सूर्यघर योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि योजना के तहत जिले में अभी तक 680 सोलर कनेक्शन जारी हुए हैं। इसमें गति लाकर और अधिक नए कनेक्शन जारी करावे। साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि योजना से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को जोडने के लिए कार्य योजना बनाकर उसे अमल में लाएं। इस योजना से लाभांवित होकर शून्य बिल का लाभ उठा रहे उपभोक्ताओं के अनुभव आदि के बारे में आम उपभोक्ताओं को अवगत करावे। उन्होंने निर्देश दिये कि सहायक अभियन्ता को निर्देशित कर कैम्प आयोजित कराकर योजना का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार करें तथा आमजन को सोलर कनेक्शन कराने हेतु प्रेरित करें।

जिले में विद्युत सुदृढीकरण का कार्य जारी = बैठक में जयपुर विद्युत वितरण निगम लि. के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे ने अवगत कराया कि विद्युत तंत्र में सुधार हेतु शहर में पावर ट्रांसफार्मर की क्षमता में 21 एमवीए की वृद्धि की गई है। इसके साथ ही अगले एक महीने में 16 एमवीए क्षमता के 2 नए 33/11 केवी जीएसएस शुरू करने की योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को सतत विद्युत सप्लाई बनाए रखने के उद्देश्य से अलवर शहर में 16 नए 11 केवी फीडर चालू किए गए हैं और 98 नए ट्रांसफार्मर विभिन्न कॉलोनियों में लगाए गए हैं। उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए शहर में 3 नए कॉल सेंटर बनाए गए हैं जो निरन्तर कार्यरत रहेंगे और शिकायतों के निराकरण के लिए शहर में 10 एफआरटी गाडियां भी कार्यरत हैं। बैठक में विद्युत विभाग के अधिशाषी अभियन्ता महेश देसवाल सहित सहायक अभियन्ता एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

अतिरिक्त जिला कलक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

अतिरिक्त जिला कलक्टर शिवपाल जाट ने संपर्क पोर्टल पर लंबित चल रहे परिवादों का समय पर निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाने एवं एवरेज डिस्पोजल टाइम में सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर विभागवार पेंडेंसी की समीक्षा करते हुए 30 दिवस से ऊपर लंबित परिवादों को निस्तारित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

उन्होंने आगामी ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए बिजली एवं पानी की व्यवस्था को सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिस पर पीएचईडी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आगामी ग्रीष्म ऋतु में जिले की पेयजल व्यवस्था की प्रभावी मोनेटरिंग एवं पेयजल सम्बन्धी शिकायतो के त्वरित निस्तारण हेतु जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष (कन्ट्रोल रूम) कार्यालय अधिक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थय अभियान्त्रिकी विभाग, वृत खैरथल में स्थापित किया गया है। जिसके दूरभाष नं. 01460-298735 है। आम नागरिक दूरभाष

नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं तथा व्हाट्सएप नंबर 7374917525 पर भी लिखित शिकायत दर्ज करवा सकते हैं जिसका संबंधित अधिकारियों द्वारा निश्चित समय अवधि में समाधान किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 31 जुलाई तक सुचारू रूप से संचालित किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर ने डीसीएमएचओ को निर्देशित किया कि मौसम में बदलाव को देखते हुए मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए उपयुक्त उपाय सुनिश्चित करें। उन्होंने बीमारियों की रोकथाम की निरन्तर मॉनिटरिंग करते हुए अस्पतालों में सुविधाऐं बढाने, मरीजों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने एवं नियमित रूप से जनता क्लीनिकों एवं चिकित्सा संस्थानों के निरीक्षण के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण विभाग को पालनहार व पेंशन सत्यापन शत प्रतिशत पूर्ण करने, विद्युत निगम को विभागीय योजनाओं के अनुसार पात्र लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ बजट घोषणाओं सहित अन्य विकास कार्यों को तय समय में गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने बजट 2025-26 में की गई घोषणाओं को समयबद्ध धरातल पर उतारने के लिए संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की विभागवार समीक्षा की। बैठक के दौरान कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, कोऑपरेटिव वेद प्रकाश सैनी, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी पूरणमल मीणा, बिजली विभाग, समाज कल्याण अधिकारी रमेश दहमीवाल, पीएचईडी, महिला एवं बाल विकास, पुलिस, राजीविका, बिजली, कृषि, वन, शिक्षा, सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग ने मनाया 'प्रतिबद्धता दिवस'

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग अलवर द्वारा कार्यालय में 1 अप्रैल को प्रतिबद्धता दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रथम मुकेश कायथवाल ने अलवर की प्रसिद्ध कलाकंद सेरेमनी के आयोजन का शुभारंभ किया । कार्यक्रम में अलवर एवं खैरथल जिले के कुल 1103 राज्य कर्मचारियों को 111.67 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान उनकी राज्य बीमा पॉलिसी के परिपक्व होने पर जारी किया गया है। अतिरिक्त जिला कलक्टर कायथवाल ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके दावों की भुगतान जारी किए। उन्होंने कहा कि इसी वर्ष सेवानिवृत हो रहे सभी कर्मचारियों के खाते में बीमा परिपक्व राशि का भुगतान प्राप्त हो जावेगा।

उन्होंने कहा कि यह दिवस उन कर्मठ कर्मचारियों को समर्पित रहेगा, जिन्होंने विभागीय प्रक्रियाओं को सुचारू रूप से पूरा करने में योगदान दिया। राज्य बीमा प्रावधायी विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. संजीव कुमार दास ने बताया कि विभाग द्वारा प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल को प्रतिबद्धता दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप सेवानिवृत्ति के समस्त लाभ समय पर प्रदान करने की परंपरा को बनाए रखते हुए कर्मचारियों को उनकी वर्षों की जमा राशि का एकमुश्त भुगतान नो-रिफंड पॉलिसी के अंतर्गत किया जाता है।

राज्य बीमा संघ के प्रदेश

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने ब्लाक मंडल अध्यक्षो व कार्यकारणी की बैठक ली

जयपुर टाइम्स

अलवर (नि.सं.)। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कांग्रेस पार्टी के प्रत्येक कार्यकर्ता की एक पहचान है। उन्होंने कहा कि भाजपा पदाधिकारियों के जनता नाम तक नहीं जानती है उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से बूथ कमेटी को मजबूत बनाने का आवाहन किया। सिंह मंगलवार को ब्लॉक और मंडल अध्यक्षों एवं कार्यकारिणी की बैठक में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र में चुनाव नहीं लड़ती बल्कि लोगों को खरीदने का काम करती है। उन्होंने कहा कि हरियाणा और महाराष्ट्र में कैसे चुनावी गणित बदल दिया गया इसे हमें गहराई से समझने की जरूरत है उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी वोटर लिस्ट से छेड़छाड़ और सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर सत्ता हासिल करती है। जितेंद्र सिंह बोले भारतीय जनता पार्टी राजस्थान प्रदेश के लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने का कोरा ढिंढोरा पीट रही है उन्होंने कहा कि ईआरसीपी और जेजेएम दोनों ही योजना धरातल पर पूरी तरह से नहीं उतर पाई है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में पेयजल को लेकर पूरे प्रदेश में अभी त्राहि त्राहि होने वाली है उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि पानी की समस्या को लेकर मंडल स्तर पर कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रदर्शन करें वही नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि एआईसीसी और पीसीसी के पदाधिकारी हमारे बीच उपस्थित हैं यह ऐतिहासिक बैठक के रूप में जाना जाएगा उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी की फौज अब भारतीय जनता पार्टी को आईना दिखाने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत कांग्रेस पार्टी की ताकत है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का काम सिर्फ भड़काना है जाति और धर्म के नाम पर वह जनता को गुमराह करते हैं। जबकि कांग्रेस पार्टी एक पार्टी नहीं बल्कि एक विचारधारा है। उन्होंने कहा कि यह बैठक संगठन को मजबूत करने की एक शुरुआत है कांग्रेस पार्टी का कार्यकर्ता अब भारतीय जनता पार्टी का बोरिया बिस्तर गोल करने के लिए तैयार है। वही राजस्थान प्रदेश के सह प्रभारी चिरंजी राव बोले कार्यकर्ताओं का समर्पण ही कांग्रेस पार्टी की ताकत है इस अवसर पर एआईसीसी कोऑर्डिनेटर भरत सिंह, पूर्व मंत्री शकुंतला रावत, संभाग प्रभारी रमेश खंडेलवाल, प्रभारी फूल सिंह ओला, प्रद्युमन सिंह, प्रभारी ग्रामीण शारदा, शहर कविता शर्मा, जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, महिला जिलाध्यक्ष कमलेश सैनी, विधायक दीपचंद खेरिया, कांति मीणा, मांगीलाल मीणा, ललित यादव, पूर्व विधायक कृष्ण मुरारी गंगावत, बलजीत यादव, अजीत यादव, संजय यादव, आर्यन जुबेर खान, इमरान खान, अजय अग्रवाल, श्वेता सैनी, रोहताश चौधरी, नगर पालिका अध्यक्ष मालाखेड़ा हिम्मत सिंह चौधरी, बहादुरपुर संजय गर्ग, उपचेयरमैन शिवचरण बलाई, प्रधान डॉ विनोद कुमारी सागवान, पूर्व प्रधान शिवलाल गुर्जर, राजेंद्र व्यास, महेश सैनी, अशोक सैनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वन मंत्री ने किया लड्डूखास तालाब निर्माण कार्य का निरीक्षण

भूरासिद्ध मंदिर के पीछे वर्षा जल को संरक्षित करने हेतु एनीकेट बनाने के प्रस्ताव बनाने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(नि.सं.)। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने शहर के स्कीम नं. 4 पहाडगंज लड्डू ख्वास की बगीची में तालाब निर्माण के कार्य व जल संरक्षण हेतु भूरा सिद्ध मंदिर के आस- पास के क्षेत्र का अवलोकन किया।

मंत्री शर्मा ने नगर निगम के आयुक्त को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्तायुक्त सामग्री का विशेष ध्यान रखे तथा कार्य को समयबद्ध रूप में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। साथ ही इसे प्रकृति के अनुरूप सुंदर स्वरूप देकर पाथ-वे बनवाए, अधिक से अधिक पौधारोपण करावे, सौलर लाइट लगवाए तथा जल संरक्षण कार्यों के साथ लोगों के घूमने की रमणिक जगह के रूप में विकसित करावें। उन्होंने भूरा सिद्ध मंदिर के पीछे वर्षा जल को संरक्षित करने हेतु एनीकेट बनाने के प्रस्ताव बनाने के दिए निर्देश। उन्होंने निर्देश दिये कि एनिकट का निर्माण इस प्रकार कराया जाए कि बारिश का पानी बहकर व्यर्थ न जाए इसके लिए जरूरी है उस पानी को सहेज कर रखें। उन्होंने कहा कि इनका निर्माण कार्य पूर्ण होने पर आस पास के क्षेत्र का जल स्तर सुधरेगा, जिसके पानी का लाभ आमजन को मिल सकेगा। उन्होंने निर्देश दिये कि यूआईटी व नगर निगम शहर में जल संरक्षण हेतु आमजन को वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का निर्माण कराने के लिए प्रेरित करे।

शहर की पेयजल व्यवस्था सुधार हेतु प्रयास जारी

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पेयजल समस्या के तत्कालीन समाधान हेतु कंटीजेंसी फण्ड में वृद्धि की है। साथ ही शहर में नई बोरिंग कराने की स्वीकृति भी दी है

जिनको चालू करने के कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा अपने दोनों बजटों में अलवर जिले की पेयजल समस्या के समाधान हेतु विभिन्न सौगातें दी है जिनमें सिलीसेढ से टयूबवैल व पाईप लाईन के माध्यम से अलवर शहर को पेयजल उपलब्ध कराना, शहर की विभिन्न कॉलोनियों में जल प्रदाय सुविधा विकसित कराने, भाखेडा-अलवर एनीकट का निर्माण / मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य, नटनी का बारां वियर से जससमंद बांध-अलवर तक निर्मित नहर का उन्नयन, डूंगरी बांध से अलवर रिजर्ववायर का निर्माण जैसी घोषणाएं शामिल हैं। राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी) को धरातल पर उतारने के कार्य के सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। इससे अलवर जिले की पेयजल समस्याओं का स्थायी समाधान होगा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय वन अधिकारी कार्यालय अलवर में अपने नियमित पौधा लगाने के संकल्प के तहत पौधारोण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अन्नपूर्णा रसोई का किया निरीक्षण

उन्होंने पोलिटेक्निक कॉलेज स्थित श्री अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि भोजन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के साथ ही नियमित रूप से साफ-सफाई कराई जावे।

देवकीनंदन गोधा बने डिक्की राजस्थान चैप्टर के नए अध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (DICCI) राजस्थान चैप्टर ने देवकीनंदन गोधा को नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। वह अंकित बाबरवाल का स्थान लेंगे और संगठन की नई नीतियों व पहलों को आगे बढ़ाएंगे। डिक्की के संस्थापक चेयरमैन पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले के नेतृत्व में संगठन दलित उद्यमियों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री रवि कुमार नर्रा और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव डांगी भी संगठन की रणनीतिक योजनाओं में योगदान दे रहे हैं। देवकीनंदन गोधा के नेतृत्व में डिक्की राजस्थान चैप्टर राज्य में उद्यमिता को बढ़ावा देने, छोटे एवं मध्यम उद्यमों को सहयोग देने और आर्थिक विकास को सशक्त करने पर विशेष ध्यान देगा। नए अध्यक्ष ने कहा कि वे संगठन के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए सरकार व निजी क्षेत्र के साथ सहयोग को प्रोत्साहित करेंगे। इस नियुक्ति के साथ, डिक्की राजस्थान में उद्यमिता को और मजबूती देने के लिए नए आयाम स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है।

राज्य बीमा पॉलिसियों के दावों का शत-प्रतिशत निस्तारण, 2389.37 करोड़ रु. का भुगतान

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन और उपमुख्यमंत्रीदिया कुमारी के निर्देश पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा 1 अप्रैल 2025 को परिपक्व हुई 22,535 राज्य बीमा पॉलिसियों के दावों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया गया। इस अभियान के तहत 2389.37 करोड़ रुपये बीमाधारकों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित किए गए। विभाग की संयुक्त निदेशक (जनसंपर्क एवं मुख्यालय) निफिया चौधरी ने बताया कि वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) अखिल अरोड़ा ने जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण और सचिवालय कार्यालयों में 3159 ऑनलाइन प्राप्त दावों का निस्तारण कर 'कंप्यूटर की' दबाकर ऑनलाइन भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण की। उन्होंने विभाग के इस कार्य की सराहना भी की। इस अवसर पर शासन सचिव नवीन जैन ने एसीएस को राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग की उपलब्धियों, नवाचारों और किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।विभाग की निदेशक हेमपुष्पा शर्मा और संयुक्त शासन सचिव (बीमा) धनलाल शेरावत ने अभियान में शामिल सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को इस सफलता के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री ने दी मंजूरी, 66 करोड़ से अधिक की लागत से होंगे कृषि मंडियों में विकास कार्य

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश की कृषि उपज मंडियों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 66 करोड़ रुपये से अधिक की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। इस राशि से मंडी यार्डों में विद्युत, मरम्मत, नवीन निर्माण कार्यों और संपर्क सड़कों का निर्माण किया जाएगा।इस निर्णय के तहत भादरा, टिब्बी, रावतसर, गोलूवाला, इटावा, जैतसर, सादुलशहर और श्रीकरणपुर मंडियों में 12.04 करोड़ रुपये की लागत से यार्ड विकास कार्य होंगे। कोटपूतली, सुमेरपुर, सूरतगढ़, कोटा (अनाज), श्रीगंगानगर (अनाज), नागौर और गोलूवाला मंडियों में 39.98 करोड़ रुपये की लागत से संपर्क सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा, सादुलपुर, सुमेरपुर और श्रीगंगानगर (अनाज) मंडियों में 7.80 करोड़ रुपये से विद्युत संबंधी कार्य, जबकि उदयपुर (अनाज) और हनुमानगढ़ मंडियों में 6.11 करोड़ रुपये से निर्माण एवं विद्युत कार्य किए जाएंगे। खेरली मंडी में एक ऑयल टेस्टिंग मशीन की खरीद के लिए 16 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों से कृषि मंडियों की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और किसानों एवं मजदूरों के लिए सुविधाएं बेहतर होंगी।

खनन क्षेत्र में नया कीर्तिमानः राजस्थान खान विभाग का ऐतिहासिक राजस्व संग्रहण

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान खान विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में 9202.50 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया। यह 23.35त्न की वृद्धि के साथ गत वर्ष की तुलना में 1742.02 करोड़ रुपये अधिक है। प्रमुख शासन सचिव खान एवं भूविज्ञान टी. रविकान्त ने बताया कि यह अब तक का सर्वाधिक वार्षिक राजस्व संग्रहण है।उन्होंने बताया कि खनिज ब्लॉकों की रिकॉर्ड नीलामी, नई खनिज नीति और एम-सैंड नीति के चलते यह उपलब्धि संभव हुई। मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। राजस्व संग्रहण में एसएमई जयपुर वृत अव्वल रहा, जबकि राशि की दृष्टि से भीलवाड़ा वृत ने सर्वाधिक 2257.74 करोड़ रुपये का योगदान दिया। जयपुर वृत में 1140.69 करोड़, अजमेर वृत में 751.51 करोड़, उदयपुर में 1132.94 करोड़ और जोधपुर में 1343.28 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह हुआ।

भारत निर्वाचन आयोग का सबसे बड़ा राजनीतिक संपर्क अभियान, 4,719 बैठकें आयोजित

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देशभर में राजनीतिक दलों के साथ व्यापक संपर्क अभियान चलाते हुए बीते 25 दिनों में 4,719 बैठकें आयोजित की हैं। इन बैठकों में मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारियों (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के स्तर पर राजनीतिक प्रतिनिधियों से संवाद किया गया।

इस अभियान के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 40 बैठकें, जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा 800 बैठकें और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा 3,879 बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें देशभर के 28,000 से अधिक पार्टी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के निर्देशानुसार, यह अभियान 4-5 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित मुख्य निर्वाचन अधिकारियों के सम्मेलन के बाद शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया से जुड़े लंबित मुद्दों को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत सुलझाना है। आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कार्रवाई रिपोर्ट भी मांगी है। यदि कोई मुद्दा कानूनी ढांचे में अनसुलझा रहता है, तो उसे आयोग स्तर पर निस्तारित किया जाएगा। इस पहल को राजनीतिक दलों की ओर से सराहना मिली है, और उनकी सक्रिय भागीदारी देखी गई। देशभर में हुई इन बैठकों की तस्वीरें भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर उपलब्ध हैं।

आईसीडीएस में 416 महिला पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, विभागीय कार्य होंगे और सशक्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं ने 416 महिला पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं। यह कदम उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में विभाग को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। नई नियुक्तियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और महिला एवं बाल विकास की योजनाओं का लाभ आमजन को सुगमता से मिलेगा।

ICDS निदेशक ओ.पी. बुनकर ने बताया कि नियुक्ति आदेश के तहत 216 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को पर्यवेक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया है, जबकि 200 महिला पर्यवेक्षकों की भर्ती सीधी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से की गई है। इससे विभाग के कार्यों की निगरानी और संचालन में सुधार आएगा, जिससे योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंच सकेगा। बुनकर ने कहा कि इन नियुक्तियों से विभाग की कार्यक्षमता में वृद्धि होगी, क्योंकि इससे 20 प्रतिशत से अधिक पदों की पूर्ति हो रही है। उन्होंने सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों (CDPO) को निर्देश दिया कि वे नियुक्त कार्मिकों की पर्सनल फाइल और सर्विस बुक को सही ढंग से संधारित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अधूरी सर्विस बुक भविष्य में प्रशासनिक समस्याओं का कारण बन सकती है।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता कोटे से भर्ती हुई महिला पर्यवेक्षकों को उनकी नियुक्ति से पहले विभाग द्वारा आवंटित मोबाइल फोन और सभी आधिकारिक रिकॉर्ड संबंधित कार्यकर्ताओं या सहायिकाओं को हस्तांतरित करने होंगे। इसके बाद ही उन्हें कार्यमुक्ति आदेश जारी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सीडीपीओ को नए नियुक्त कार्मिकों के कार्यमुक्ति आदेश के साथ नियुक्ति आदेश और फोटो युक्त अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि यह सभी दस्तावेज कार्मिकों की व्यक्तिगत फाइल में संधारित किए जाएं।

किसानों को बड़ी राहतः खरीफ-2024 में वितरित अल्पकालीन फसली ऋणों की भुगतान तिथि बढ़ाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर,(का.सं.)। राज्य सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए खरीफ-2024 में वितरित अल्पकालीन ब्याजमुक्त फसली ऋणों की अदायगी तिथि आगे बढ़ाने की स्वीकृति दे दी है। राज्य सरकार के इस निर्णय से 2.19 लाख से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने बताया कि इस सम्बन्ध में वित्त विभाग से स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। केन्द्रीय सहकारी बैंकों द्वारा पैक्स/लैम्प्स के माध्यम से खरीफ-2024 में ऋण प्राप्त करने वाले किसान अब 30 जून, 2025 अथवा ऋण लेने की दिनांक से 12 माह, जो भी पहले हो, ऋण राशि चुका सकेंगे। पूर्व में ऋण चुकाने की अवधि 31 मार्च, 2025 निर्धारित थी, जिसे आगे बढ़ाने की मांग की जा रही थी।

राज्य सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। दक ने बताया कि तिथि आगे नहीं बढ़ाये जाने पर लगभग 2.19 लाख किसानों पर बकाया लगभग 778 करोड़ रुपये का ऋण अवधिपार हो जाता।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

7 हजार 500 रूपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 6 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर, (का.सं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त श्रीमती रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में लालकोठी किसान भवन के पास, गांधी नगर रेलवे स्टेशन, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के नीचे, बियानी कॉलेज रोड़ के सामने, नेशनल हैण्डलूम खाली भूखण्ड के पास, दादी का फाटक से पार्षद कार्यालय तक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 7 हजार 500 रूपये का कैरिंग चार्ज कर 06 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में लालकोठी किसान भवन के पास, गांधी नगर रेलवे स्टेशन, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के नीचे, बियानी कॉलेज रोड़ के सामने, नेशनल हैण्डलूम खाली भूखण्ड के पास, दादी का फाटक से पार्षद कार्यालय तक आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 06 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 7 हजार 500 रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

जलदाय मंत्री ने बांसवाडा- डूंगरपुर के पेयजल प्रबन्धों की समीक्षा की

सुचारू पेयजल वितरण सर्वोच्च प्राथमिकता पर, पेयजल समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें, ग्रीष्मकाल में पेयजल प्रबन्धन के प्रति गंभीर रहें - चौधरी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)।। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने ग्रीष्मकाल में पेयजल प्रबन्धन को बेहतर बनाए रखने के लिए गंभीरता के साथ दायित्व निभाने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि यह अच्छी तरह सुनिश्चित करें कि ग्रीष्मकाल के दौरान् पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की समस्या सामने न आए।

बैठक में जलदाय मंत्री चौधरी ने मंगलवार को बांसवाड़ा जिला कलक्ट्री सभाकक्ष में पेयजल विषयक बांसवाडा - डूंगरपुर जिले के जलदाय विभाग के अधिकारियों को यह निर्देश दिए। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल के लिए कंटीन्जेंसी योजना के अनुरूप जिले में पेयजल प्रबन्धन को सुचारू बनाए रखने के लिए पूर्ण समन्वय के साथ कार्य करें।

उन्होंने कहा कि पेयजल से संबंधित समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए इनके त्वरित समाधान की कार्यशैली अमल में लाएं और इसके लिए जिले भर में विभागीय कार्यालयों को सक्रिय बनाए रखते हुए समस्या समाधान करें और जिला स्तर सहित विभिन्न क्षेत्रों में नियंत्रण कक्षों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करें।

जलदाय मंत्री ने कहा कि पेयजल योजनाओं से संबंधित पुराने कार्यों में सुधार लाएं तथा नवीन पेयजल योजनाओं के कार्य पूरी गुणवत्ता से सुनिश्चित करें ताकि योजना के अनुरूप इनकी पूरी-पूरी उपयोगिता अच्छी तरह सामने आ सके और पेयजल प्रबन्धन एवं वितरण तंत्र को मजबूती प्राप्त हो सके।उन्होंने दोनों जिलों में पेयजल की वर्तमान स्थिति और आने वाले समय में संभावित स्थितियों पर विस्तार से जानकारी ली और कहा कि ग्रीष्मकाल के दौरान् अधिक संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी से कार्य करने की जरूरत है। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि आवश्यकता वाले स्थानों पर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की देरी नहीं की जाए, जहां जरूरत हो वहां ट्यूबवैल, हैण्डपम्प स्थापित करें और पीने का पानी मुहैया कराने के लिए सभी उपलब्ध विकल्पों का इस्तेमाल करें।जलदाय मंत्री ने पेयजल के पुराने एवं परम्परागत स्रोतों का उपयोग सुनिश्चित करने पर जोर दिया और कहा कि इस दिशा में गंभीरता से चिन्तन करने की आवश्यकता है। उन्होंने विधानसभा क्षेत्रवार पेयजल प्रबन्धन की जानकारी ली और कहा कि दोनों जिले के हर क्षेत्र में विभागीय गतिविधियों को और अधिक बेहतर बनाते हुए पेयजल वितरण के प्रति गंभीरता बरतने की आवश्यकता है। उन्होंने दोनों जिले में पेयजल योजनाओं के स्वीकृत कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश देते हुए सख्त चेतावनी दी कि पेयजल प्रबन्धन से संबंधित गतिविधियों में किसी भी प्रकार की लापरवाही और शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने आरयूआईडीपी के तहत पेयजल गतिविधियों को अच्छी तरह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।गढ़ी विधायक कैलाश मीणा ने जिले में पेयजल से संबंधित कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने और पेयजल समस्या से प्रभावित इलाकों में पानी के प्रबन्ध सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास करने का आग्रह किया। बैठक में बांसवाड़ा जिला प्रमुख श्रीमती रेशम मालवीया, जिला कलक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव सहित बांसवाडा, डूंगरपुर के जलदाय विभाग के अधिकारिगण मौजूद थे। डूंगरपुर जिले के विधायक व जनप्रतिनिधिगण आदि ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में पेयजल की वर्तमान स्थिति पर विस्तार से जानकारी दी और पानी से संबंधित समस्याओं के स्थायी एवं निर्णायक समाधान का आग्रह किया।

प्रेस क्लब नवनिर्वाचित प्रबन्ध कार्यकारिणी ने ली शपथ

वरिष्ठ पत्रकार छाबड़ा, डंडिया, लोढ़ा, बत्रा और विधायक गोपाल शर्मा ने ग्रहण कराया कार्यभार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)।। को पिंकसिटी प्रेस क्लब चुनाव की नवनिर्वाचित प्रबन्ध कार्यकारिणी ने मंगलवार को शपथग्रहण कर कार्यभार संभाला। 30 मार्च को सम्पन्न हुए वार्षिक चुनाव में नवनिर्वाचित अध्यक्ष मुकेश मीणा, महासचिव मुकेश चौधरी, उपाध्यक्ष डॉ. मोनिका शर्मा, परमेश्वर शर्मा एवं कोषाध्यक्ष विकास शर्मा के साथ प्रबन्ध कार्यकारिणी के दस सदस्य मणिमाला शर्मा, ओमवीर भार्गव, दिनेश सैनी, दीपक सैनी, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, अनिता शर्मा, निखलेश शर्मा, सुश्री शालिनी श्रीवास्तव, उमंग माथुर, विकास आर्य को पत्रकार एवं विधायक गोपाल शर्मा, प्रेस क्लब संस्थापक सदस्य प्रवीण चन्द छाबड़ा, जगदीश शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार मिलापचन्द डांडिया, गुलाब बत्रा, अनिल लोढ़ा एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनिल शेखावत ने प्रेस क्लब संचालन के लिए शपथ दिलाकर कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर क्लब के पूर्व अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिंह राठौड़, राधारमण शर्मा, अभय जोशी, पूर्व महासचिव रोशन लाल शर्मा, योगेन्द्र पंचौली सहित वरिष्ठ एवं युवा पत्रकार उपस्थित हुए। क्लब अध्यक्ष मुकेश मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी मिलकर पत्रकार एवं क्लब हित में सदैव तत्पर कार्य करेगी।

निर्वाचन मण्डल ने नवनिर्वाचित प्रबन्ध कार्यकारिणी को निर्वाचन पत्र, माला, साफा पहनाकर स्वागत किया। वर्तमान प्रबन्ध कार्यकारिणी ने चुनाव मण्डल को माला, साफा एवं आभार पत्र देकर सम्मानित किया। महासचिव मुकेश चौधरी ने आभार व्यक्त किया।

एक ज़रूरी बचाव, लेकिन क्या लोग ऊब गए हैं?

साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 और ऑनलाइन ठगी से बचाव की चेतावनियाँ इतनी बार सुनाई देने लगी हैं कि लोग अब इनसे ऊबने लगे हैं। बैंक, फोन कंपनियाँ, न्यूज़ चैनल्स, और सोशल मीडिया हर जगह साइबर फ्रॉड के अलर्ट्स छाए हुए हैं, जिससे लोग ठगी से कम और चेतावनी से ज़्यादा परेशान हैं। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि असली कॉल्स और स्कैम्स में फर्क करना भी मुश्किल हो रहा है—हर मैसेज पर शक, हर कॉल पर संदेह! लोग इतने सतर्क हो गए हैं कि जरूरत पड़ने पर भी मदद माँगने वालों से पहले आधार कार्ड और पैन नंबर मांगने लगते हैं।

-प्रियंका सौरभ

कभी-कभी ऐसा लगता है कि अगर किसी को गुप्त एजेंसी के लिए जासूसी करनी हो, तो उन्हें "साइबर क्राइम से बचें" जैसे संदेशों को बैकग्राउंड म्यूजिक बना देना चाहिए। जितनी बार हम अपने फोन, टीवी, बैंक मैसेज, या सोशल मीडिया खोलते हैं, 1930 हेल्पलाइन और साइबर ठगी की चेतावनी हमारे सामने आ जाती है। एक वक्त ऐसा आता है जब दिमाग कहता है, "भाई, अब तो हमें खुद स्कैमर्स भी पहचानने लग गए होंगे!" आजकल साइबर अपराध इतने आम हो गए हैं कि हर दिन हजारों लोग किसी न किसी ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। इसी को रोकने के लिए सरकार ने 1930 साइबर क्राइम हेल्पलाइन शुरू की, ताकि लोग धोखाधड़ी के तुरंत बाद इसकी शिकायत कर सकें और पैसे वापस पाने की कोशिश कर सकें। लेकिन समस्या यह है कि इस हेल्पलाइन और साइबर सुरक्षा से जुड़ी चेतावनियाँ इतनी बार दोहराई जा रही हैं कि कुछ लोगों को यह "कान पकाने वाली चीज़" लगने लगी है। बैंक, फोन कंपनियाँ, सोशल मीडिया, और न्यूज़ चैनल्स—हर जगह साइबर फ्रॉड से बचने के लिए अलर्ट्स आ रहे हैं।

क्या लोग इसे नज़रअंदाज़ करने लगे हैं? हेल्पलाइन या रेडियो स्टेशन?

"आपके अकाउंट से संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुआ है..." अगर यह लाइन आपको सपनों में भी सुनाई देने लगी है, तो आप अकेले नहीं हैं! साइबर सुरक्षा जागरूकता इतनी ज़्यादा बढ़ गई है कि अब लोग ठगी से कम और चेतावनी से ज़्यादा परेशान हैं। बैंक "ध्यान दें! कोई भी आपकी OTP मांगे, तो उसे दें मत!" फोन कंपनियाँ "साइबर क्राइम से बचें। 1930 पर कॉल करें।" न्यूज़ चैनल्स "आज हम बताएँगे कैसे साइबर ठगी का नया तरीका आपको चूना लगा सकता है!" वॉट्सएप ग्रुप "ये पढ़िए, एक आदमी ने लिंक पर क्लिक किया और उसका बैंक बैलेंस गायब!" अब स्थिति यह हो गई है कि "असली कॉल आए तो भी शक होता है कि कहीं यह स्कैम तो नहीं?" कुछ लोग इतनी बार ये चेतावनियाँ सुन चुके हैं कि अब उन्हें गंभीरता से नहीं लेते। कई बार लोग मान लेते हैं कि "मुझे तो कुछ नहीं होगा," और लापरवाही बरतने लगते हैं। कुछ मामलों में, लगातार चेतावनी देने के बावजूद लोग फर्जी कॉल्स या मैसेज का शिकार हो जाते हैं।

लेकिन साइबर फ्रॉड क्यों बढ़ रहे हैं? जब बचाव भी संदेहास्पद लगे

आजकल साइबर सतर्कता के कारण भरोसा करने की कला भी खत्म हो रही है। अगर कोई दोस्त सच में पैसे माँग ले, तो दिमाग कहता है, "स्कैम लग रहा है, पहले वीडियो कॉल कर!" कोई रिश्तेदार OTP माँग ले तो जवाब आता है, "पहले आधार कार्ड भेजो!" सिर्फ इतना ही नहीं, कई बार लोग 1930 पर कॉल करके खुद की पहचान वेरिफाई कराने लगते हैं! "भैया, मैं असली हूँ, स्कैमर नहीं!" टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग जैसे-जैसे डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन बैंकिंग बढ़ी है, वैसे-वैसे साइबर ठग भी स्मार्ट होते गए हैं। सोशल इंजीनियरिंग फ्रॉड जालसाज लोगों की भावनाओं और आदतों का फायदा उठाकर उन्हें ठग लेते हैं। जैसे—फर्जी नौकरी ऑफर, लॉटरी, केवाईसी अपडेट, आदि। बहुत से लोग लिंक पर क्लिक करने या ओटीपी शेयर करने से पहले सोचते नहीं हैं। 1930 ज़रूरी है, लेकिन इसे "पढ़ाई की किताब" मत बनाओ। मज़ेदार तरीके से लोगों को जागरूक करो—मेम्स बनाओ, स्टैंड-अप कॉमेडी करो, रोबोटिक आवाज़ में मत सुनाओ! हर अलर्ट को सिरियस मत लो, लेकिन हर लिंक पर क्लिक भी मत करो। एक बैलेंस बनाओ, वरना या तो कान पकेंगे या जेब।

भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन व वर्षा जल संचयन आवश्यक है

ताकि वर्षा जल का उचित भण्डारण किया जा सके।अब प्रधानमंत्री जी ने पुनः इसकी बात की है, जो जल संरक्षण में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कही है कि 'प्रयास यही है कि जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उन्हें अगली पीढ़ी तक हमें पहुंचाना है। इस अभियान के तहत पिछले कुछ सालों में देश के कई हिस्सों में जल संरक्षण के कई दिलचस्प काम हुए हैं।' उन्होंने कहा कि ' पिछले 7-8 साल में नए बने टैंक, तालाब और अन्य 'वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर'(जल पुनर्भरण संरचना) से 11 बिलियन(1100 करोड़) क्यूबिक मीटर से भी ज्यादा पानी का संरक्षण हुआ है।' बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में जल संरक्षण पर जोर देकर देश की जनता को सही समय पर एक सही संदेश देने का काम किया है। वास्तव में, पिछले सात-आठ वर्षों में जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के जरिये 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता मिली, यह बात देश की आम जनता को कहीं न कहीं जल संरक्षण के प्रति उत्साहित व प्रेरित करेगी। कहना ग़लत नहीं होगा

जल मनुष्य ही नहीं इस धरती के समस्त प्राणियों व वनस्पतियों की मूलभूत आवश्यकता है। जल बिना जीवन संभव नहीं है। वास्तव में,पंचतत्व जीवन के लिए आधार माने गए हैं। उसमें से एक तत्व जल भी है। एक शोध के मुताबिक आज जिस रफ्तार से जंगल खत्म हो रहे हैं उससे तीन गुना अधिक रफ्तार से जल के स्रोत सूख रहे हैं। नीति आयोग के 'समग्र जल प्रबंधन सूचकांक (कंपोजिट वाटर मैनेजमेंट इंडेक्स)' की माने तो भारत के लगभग 600 मिलियन से अधिक लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट में इस बात का भी अंदेशा जताया गया है कि साल 2030 तक भारत में पानी की मांग उपलब्ध आपूर्ति की तुलना में दोगुनी हो जाएगी। बहरहाल,पाठकों को बताता चलूं कि हाल ही हमारे देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के 120वें एपिसोड के जरिए देश की आम जनता से रूबरू हुए। गौरतलब है कि'मन की बात' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने समर वेकेशन और जल संचय को लेकर खास संदेश दिया है।उन्होंने 'मन की बात' के दौरान देशवासियों को 'जल संरक्षण' का महत्वपूर्ण संदेश दिया है। पाठकों को बताता चलूं कि पीएम मोदी ने कहा, 'गर्मी के मौसम में पानी बचाने का अभियान भी शुरू हो जाता है। विभिन्न जगहों पर वाटर हॉर्वेस्टिंग का काम शुरू हो गया है। इसके लिए अलग-अलग संस्थाएं काम करती हैं। इस बार भी 'कैच द रेन अभियान'(वर्षा जल संचयन) के लिए कमर कस ली गई है। ये अभियान सरकार का नहीं बल्कि जनता का अभियान है। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि 22 मार्च 2021 को विश्व जल दिवस के अवसर पर 'जल शक्ति अभियान कैच-द-रेन' को प्रारंभ किया गया था। यह अभियान 22 मार्च से 30 नवंबर 2021 (मानसून पूर्व एवं मानसून अवधि) तक ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों में चलाया गया था तथा इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण एवं जल संचयन संरचनाओं का निर्माण करना तथा जागरूकता फैलाना है, ताकि वर्षा जल का उचित भण्डारण किया जा सके।अब प्रधानमंत्री जी ने पुनः इसकी बात की है, जो जल संरक्षण में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह बात कही है कि 'प्रयास यही है कि जो प्राकृतिक संसाधन हमें मिले हैं, उन्हें अगली पीढ़ी तक हमें पहुंचाना है। इस अभियान के तहत पिछले कुछ सालों में देश के कई हिस्सों में जल संरक्षण के कई दिलचस्प काम हुए हैं।' उन्होंने कहा कि ' पिछले 7-8 साल में नए बने टैंक, तालाब और अन्य 'वाटर रिचार्ज स्ट्रक्चर'(जल पुनर्भरण संरचना) से 11 बिलियन(1100 करोड़) क्यूबिक मीटर से भी ज्यादा पानी का संरक्षण हुआ है।' बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में जल संरक्षण पर जोर देकर देश की जनता को सही समय पर एक सही संदेश देने का काम किया है। वास्तव में, पिछले सात-आठ वर्षों में जल संरक्षण के विभिन्न उपायों के जरिये 1100 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी बचाने में सफलता मिली, यह बात देश की आम जनता को कहीं न कहीं जल संरक्षण के प्रति उत्साहित व प्रेरित करेगी। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज जल संरक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण है, क्यों कि बढ़ती आबादी व बढ़ते

सुनील कुमार महला,

फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड।

औधोगिकीकरण की जरूरतों को तभी पूरा किया जा सकता है,जब हम जल की बूंद-बूंद बचायेंगे। हम अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी बातों को ध्यान में रखकर भरपूर मात्रा में जल संरक्षण कर सकते हैं। मसलन हम केवल तभी फ्लश करें जब ऐसा करना ज़रूरी हो।नहाने की बजाय हमें जल्दी से शॉवर लेना चाहिए। वास्तव में,शॉवर या पाइप से नहाने की बजाय बाल्टी से स्नान करना चाहिए।हमें यह चाहिए कि जब भी हम ब्रश व दाढ़ी (शेव) करें तब नल को बंद कर दें।अपशिष्ट जल को सिंक में फेंकने के बजाय, उसे बचाकर रखा जा सकता है और अन्य कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।टपकता नल, बहता शौचालय या टपकता पाइप भारी मात्रा में पानी की बर्बादी के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इसलिए हर लीकेज को ठीक रखें। पानी को कभी भी बहता हुआ नहीं छोड़ा जाना चाहिए। वर्षा जल संचयन बहुत ही महत्वपूर्ण और जरूरी है।भूमिगत जल की रिचार्जिंग तथा व्यय को रोका जाना चाहिए।सब्ज़ियों/फलों आदि को धोने के बाद बचा पानी बाग-बगीचे में डालना चाहिए। जल संरक्षण के लिए हमें स्मार्ट सिंचाई तकनीकों का इस्तेमाल करना चाहिए। मसलन,टपकन टैंक/ड्रिप/स्प्रिंकल सिंचाई के उपयोग से सिंचाई जल के संरक्षण को बढ़ावा दिया जा सकता है।फसल उगाने के तरीकों का प्रबंधन करके; जैसे कि कम जल क्षेत्रों में ऐसे पौधों का चयन करके जिनकी पैदावार के लिए कम पानी की जरूरत हो, काफी मात्रा में जल संरक्षण किया जा सकता है।कार को बाल्टी के पानी से धोना या कमर्शियल कार वॉश का इस्तेमाल करना चाहिए।ड्राइववे, फुटपाथ, और सीढ़ियों को पानी से धोने के बजाय साफ़ करना चाहिए। कहना ग़लत नहीं होगा कि घरेलू स्तर पर जल का उचित व संयमित उपयोग एवं उद्योगों में पानी के चक्रीय उपयोग जल संरक्षण में सहायक हो सकते हैं।जल का सदुपयोग कैसे करना है, इस दिशा में जन-जागरूकता बढ़ायी जाने की आवश्यकता है।प्राचीन भारत में जल संरक्षण के लिए कई उपाय अपनाए जाते थे।इनमें जोहड़ ,बावलियां(बावड़ियां), कुएं, तटबंध, जलाशय, और जलग्रहण क्षेत्र शामिल हैं, इनका पुनरूद्धार किया जाना चाहिए। यह ठीक है कि आज सरकार व विभिन्न संस्थाएं जल संरक्षण के लिए नीतिगत स्तर पर उल्लेखनीय कार्य कर रहें हैं, लेकिन अभी भी इस दिशा में बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज विभिन्न जल स्त्रोतों की समय-समय पर साफ-सफाई की जरूरत है।जल निकायों के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार,जल संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना,जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक करना तथा जल संरक्षण के लिए लोगों को प्रेरित करना और जल संरक्षण के लिए लोगों को जोड़ना बहुत ही महत्वपूर्ण और जरूरी है। आज जरूरत इस बात की है कि विभिन्न समाजसेवी संस्थाओं के साथ आम आदमी भी जल संरक्षण के लिए आगे आए और कृतसंकल्पित होकर कार्य करें। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय हमारे देश में पानी को बचाने के वैसे उपाय नहीं किए जा रहे हैं जैसे कि आवश्यक हैं। ऊपर जानकारी दे चुका हूं कि वर्षा जल संचयन करके हम जल संरक्षण में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं। आज वर्षा ऋतु में बहुत सा जल बेकार चला जाता है। सरकार और समाज की यह कोशिश होनी चाहिए कि वर्षा जल का अधिकाधिक संग्रह किया जा सके, क्योंकि भारत उन देशों में प्रमुख है जहां जल संकट एक बड़ी समस्या के रूप में उभरकर सामने आ रहा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि भारत में जल संकट एक गंभीर समस्या है। वास्तव में इस जल संकट के कई कारण हैं, जैसे कि जलवायु परिवर्तन, भूजल दोहन, और जल निकायों का प्रदूषण।इस समस्या से लाखों करोड़ों लोगों की ज़िंदगी और आजीविका दोनों समान रूप से प्रभावित हो रही है।यह अनुमान लगाया गया है कि भारत 2025 तक पानी की कमी वाला देश बन जाएगा, इसलिए जल संरक्षण आवश्यक है। जल धरती का एक असीमित नहीं बल्कि सीमित संसाधन है और इसका विवेकपूर्ण उपयोग जरूरी है।जल संरक्षण के प्रयासों को कितनी गंभीरता से लेने की आवश्यकता है, इसे इससे समझा जा सकता है कि भारत में दुनिया की 17 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है, जबकि उसके उपयोग के लिए उपलब्ध जल चार प्रतिशत से भी कम है। यह एक कटु व बड़ा सत्य है कि देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है और इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है।स्पष्ट है कि जल संरक्षण की चिंता पूरे वर्ष की जानी चाहिए। अंत में यही कहूंगा कि जल संरक्षण का काम केवल सरकार और उसकी एजेंसियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। यह हम सबकी साझा व नैतिक जिम्मेदारी है और इसका निर्वहन इसी रूप में किया जाना चाहिए। वास्तव में भू-जल प्रबंधन, कुशल सिंचाई प्रबंधन एवं वर्षा जल संचयन उपायों को अपनाकर भविष्य के जल संकट को कम किया जा सकता है।

कन्याओं का पूजिये भी, आत्मसुरक्षा भी सिखाइए

रविवार से चैत्र नवरात्र शुरू हो गए हैं।नवरात्र में अधिकांश हिंदू परिवार घर में मां के कलश की स्थापना करते हैं।इन नौ दिन उपवास रखकर देवी के विभिन्न रूपों की पूजा की जाती है।देवी स्परुपा कन्याओं को पूजा जाता है।उन्हें जिमाया जाता है। वस्त्रादि भेंट किए जाते हैं। ये परंपरा सदियों से चली आ रही है।सदियों से चली आ रही इस परम्परा में वक्त के हिसाब से अब सुधार की जरूरत है। आज जरूरत है कि हम कन्याओं को पूजे और जिमाएं ही नहीं।उन्हें शिक्षित भी करें।उन्हें आज के समय और परिस्थिति में जीने के अनुकूल बनाए।आत्मसुरक्षा भी सिखाए।उन्हें गुड टच और बेड टच से अवगत भी कराएं। कन्याओं को आज के समाज में शान और सम्मान के साथ जीने के योग्य बनाएं। ज्यादति के खिलाफ बोलना भी बताएं।ज्यादति का मुकाबला भी करना सिखाएं।

नवरात्र देश भर में अलग -अलग रूप में मनाए जाते हैं।पूजा अर्चन की जाती है।सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे।स्वस्थ समाज की मांग करे।ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े।वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

आज देश की देवियां ,महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं।कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं। अब ये आटो, ट्रक,ट्रेन ,मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं।ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं।

कभी गाना , बजना, नाचना महिलाओं की कला मानी जाती थी। उसमें उन्हें पारंगत करने के साथ-साथ पुराने समय से परिवार की बेटियों को सिलाई, कढ़ाई, बुनाई,अनाज पिसाई,छनाई के साथ घर के कामकाज भोजन बनाने में आदि में निपुण किया जाता था। ताकि वह समय की जरूरत के हिसाब के शादी के बाद अपने परिवार को संभाल सकें। इस समय शिक्षा पर उतना जोर नही था। परिवार की जरूरतें बढ़ी तो पढ़ी -लिखी महिलाएं घर की चाहरदीवारी से निकलीं। नौकरी करने लगीं। बिजनेस में परिवार को सहयोग देने लगीं।समय बदला ।महिलाएं आज शिक्षित हो सभी क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं। नौकरी के लिए अकेली युवती का विदेश जाना अब आम हो गया।पैरा मिलेट्री फोर्सेज में योगदान करने के साथ आज वह सेना में आकर देश सीमाओं को सुरक्षित बनाने और शत्रु से लोहा लेने में भी लगी हैं।

समय के साथ- साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के

अशोक मधुप

शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे।परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़ ,यौन शोषण चलता रहा।देश में चेतना आई ,शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नही हुए।हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

राष्ट्रीय महिला आयोग को साल 2021 में महिलाओं के खिलाफ अपराध की करीब 31,000 शिकायतें मिलीं थी जो 2014 के बाद सबसे ज्यादा हैं। इनमें से आधे से ज्यादा मामले उत्तर प्रदेश के थे। महिलाओं के खिलाफ अपराध की शिकायतों में 2020 की तुलना में 2021 में 30 प्रतिशत का इजाफा हुआ था। साल 2020 में कुल 23,722 शिकायतें महिला आयोग को मिली थीं।राष्ट्रीय महिला आयोग की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 30,864 शिकायतों में से, अधिकतम 11,013 सम्मान के साथ जीने के अधिकार से संबंधित थीं। घरेलू हिंसा से संबंधित 6,633 और दहेज उत्पीड़न से संबंधित 4,589 शिकायतें थीं। सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की सबसे अधिक 15,828 शिकायतें दर्ज की गईं, इसके बाद दिल्ली में 3,336, महाराष्ट्र में 1,504, हरियाणा में 1,460 और बिहार में 1,456 शिकायतें दर्ज की गईं।आयोग के आंकड़ों के अनुसार, महिलाओं के शील भंग या छेड़छाड़ के अपराध के संबंध में 1,819 शिकायतें मिली हैं। बलात्कार और बलात्कार की कोशिश 1,675 शिकायतें, महिलाओं के प्रति पुलिस की उदासीनता की 1,537 और साइबर अपराधों की 858 शिकायतें मिली हैं। येवे शिकायत हैं जो रजिस्टर होती हैं1 इससे कई गुनी शिकायत तो दर्ज ही नही होती। परिवार का सम्मान बताकर ,युवती की स्मिता की बातकर घटनांए दबाली जाती हैं।

अब तक बच्चियों को गाने - बचाना ,डांस करने के वीडियो सामने आते थे। हाल ही में एक वीडियो सामने आया जिसमें एक पिता अपनी बेटी को लाठी चलाना सिखा रहा है। इस छोटे से वीडियों को बहुत पसंद किया गया। आज समय की मांग है कि परिवार विशेषकर मां बेटी को बचपन से गुड टच और बैड टच से अवगत कराए। इनका अंतर बताए। कहीं कुछ घर के आसपास , स्कूल में, स्कूल बस में अगर ऐसा होता है तो वह घर आकर बतांए।बेटी अब घर की देहरी के अंदर तक ही सीमित नही रह गई है। वह कार्य के लिए घर से बाहर निकल रही है। ट्रेन में, बस में अकेले सफर कर रही है।नौकरी के लिए सात समुंद पार जा रही है।ऐसे में जरूरत है उसे आत्मसुरक्षा की जानकारी देने की।जूडे-कराटे सिखाने की। आत्मसुरक्षा में निपुण करने की, ताकि वह विपरीत परिस्थिति में अपना बचाव कर सके।अगर ऐसा होगा तो छेड़छाड़ करने वाले के भय से युवती को आत्महत्या नही करनी पड़ेगी।जबकि आज इस तरह की रोज अखबारों में खबर आ रही हैं।

पिछले दिनों मुरादाबाद में से 12वीं में पढ़ने वाली छात्रा ने छेड़छाड़ से परेशान होकर कीटनाशक खा कर आत्महत्याकर ली। मुंबई के विनोबा भावे नगर चचेरे भाई के बार-बार यौन उत्पीड़न से तंग आकर 15 वर्षीय किशोरी ने आत्महत्या कर ली। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जनपद में मनचले की छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने अपने ही घर में फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।इस तरह की खबर रोज अखबारों में सुर्खियां बन रही हैं। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनांए, आत्मसुरक्षा सिखाएं,ज्यादति के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखांए ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने।उसके साथ ज्यादति करने का कोई हौंसला न कर सके । हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार -प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

जल संकट का समाधान

जल संरक्षण एक सामूहिक जिम्मेदारी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीकों को मिलाकर जल संकट से बचा जा सकता है। भारत में जल संरक्षण का एक समृद्ध इतिहास रहा है। हमारे पूर्वजों ने भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियों के अनुसार जल संरक्षण की अनेक प्रणालियाँ विकसित की थीं, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

जल संकट आज की दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान व तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है।जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल 4% मीठा पानी है, लेकिन इसकी 18% आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है। स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल इस गाँव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करके भूजल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहाँ जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भूजल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली ये छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भूजल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं। नागालैंड की ज़ाबो कृषि पद्धति यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली यह प्रणाली वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएँ जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली में जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएँ हैं। समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया जाता है। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गाँव की सभाएँ छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत यह योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गाँवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। छ्ढ्ढञ्ज मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएँ बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ,द्ध आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है।

खुद ऋतिक रोशन ही डायरेक्ट करेंगे कृष 4

अभिनय के क्षेत्र में अपना दमखम दिखाने के बाद अभिनेता ऋतिक रोशन 'कृष 4' से अपना डायरेक्टोरियल डेब्यू करने जा रहे हैं। उनके पिता राकेश रोशन ने घोषणा करते हुए कहा कि फिल्म की कमान वह ऋतिक को सौंप रहे हैं। लंबे समय से फिल्म के निर्देशन को लेकर चर्चा चल रही थी। लगातार यह संशय बना हुआ था कि फिल्म का निर्देशन कौन करेगा? आदित्य चोपड़ा की अगुआई में यशराज फिल्म्स के बैनर तले इसका निर्माण होगा।

राकेश रोशन ने की घोषणा

'कृष' फ्रैंचाइजी की अगली किस्त यानी 'कृष 4' पर बड़ा अपडेट देते हुए राकेश रोशन ने कहा, मैं कृष 4 के निर्देशन की कमान अपने बेटे ऋतिक रोशन को सौंप रहा हूं, जिन्होंने इस फ्रैंचाइजी को शुरू से ही मेरे साथ जिया, महसूस किया और इसके बारे में सपने देखे हैं। ऋतिक के पास अगले दशकों तक दर्शकों के साथ कृष की यात्रा को आगे बढ़ाने का एक साफ और बहुत ही महत्वाकांक्षी विजन है। मुझे यह देखकर बहुत गर्व हो रहा है कि वह एक ऐसी फिल्म के निर्देशक बन रहे, जो हमारे लिए एक परिवार की तरह है। राकेश रोशन ने अपने ट्विटर पर एक पोस्ट करते हुए लिखा, 25 साल पहले मैंने तुम्हें एक अभिनेता के रूप में लॉन्च किया था। आज फिर 25 साल बाद तुम्हें दो फिल्म निर्माताओं आदि चोपड़ा और मेरे द्वारा हमारी सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म कृष 4 को आगे बढ़ाने के लिए एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया जा रहा है। इस नए अवतार में तुम्हें ढेर सारी सफलता की शुभकामनाएं और आशीर्वाद!

राकेश रोशन और आदित्य चोपड़ा ने मिलाया हाथ

इस सुपरहीरो फिल्म के लिए आदित्य चोपड़ा और राकेश रोशन साथ आए हैं। आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स राकेश रोशन के साथ मिलकर इसका निर्माण करेगी। काफी लंबे समय से इस फ्रैंचाइजी की अगली किस्त का फैंस को इंतजार था। इस महत्वपूर्ण सूचना ने उनकी उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है।

इस भारतीय सुपरहीरो फ्रैंचाइजी की शुरुआत 'कोई मिल गया' से हुई थी, जिसमें ऋतिक रोशन ने मुख्य भूमिका अदा की थी। यह एक साइंस-फिक्शन फिल्म थी। साल 2006 में इसकी अगली किस्त 'कृष' आई और साल 2013 में 'कृष 3।' अपने इस सफर के दौरान दर्शकों के दिल में इसने एक खास जगह बना ली।

फिल्म किंगडम में हुई कीर्ति सुरेश की एंट्री

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म किंगडम के लिए कमर कस चुके हैं। फिल्म का पहला लुक भी जारी किया जा चुका है, लेकिन अभी तक यह जानकारी सामने नहीं आई थी कि फिल्म में विजय के साथ कौन सी अभिनेत्री नजर आएंगी।

कीर्ति सुरेश के साथ जमेगी विजय की जोड़ी

फिल्म किंगडम में विजय देवरकोंडा के साथ कीर्ति सुरेश रोमांस करती नजर आ सकती हैं। पहले निर्माताओं ने रुक्मिणी वसंत को लेने के बारे में विचार किया था, लेकिन बात कुछ जमी नहीं। इसलिए फिर निर्माताओं ने कीर्ति को फिल्म में लेने का मन बनाया और उन्हें फिल्म की कहानी सुनाई। फिल्म की स्क्रिप्ट कीर्ति को बेहद पसंद आई और उन्होंने तुरंत ही फिल्म के लिए हां कह दी।

कीर्ति का होगा खास अंदाज

फिल्म किंगडम में कीर्ति गोदावरी बोली बोलती नजर आएंगी। फिल्म किंगडम की कहानी स्थानीय राजनीति पर आधारित होगी और साथ ही इस फिल्म में आम लोगों से जुड़े कई पहलुओं को भी दिखाया जाएगा। निर्माता दिल राजू इस फिल्म को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स के बैनर तले बनाएंगे। फिल्म की शूटिंग इस गर्मी से शुरू होने की उम्मीद है। एक्शन ड्रामा फिल्म किंगडम 30 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। विजय की इस फिल्म का पहला लुक सामने आते ही फैंस इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

विजय का वर्कफंट

विजय देवरकोंडा अपनी अगली फिल्म किंगडम के अलावा रवि किरण कोला की फिल्म राउडी जनार्दन में भी नजर आएंगे। इसके अलावा विजय राहुल सांकृत्यायन के साथ भी एक प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं।

निमरत कौर के अलावा दीपिका, प्रियंका और इन सितारों ने तय किया बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर

मशहूर अभिनेत्री निमरत कौर ने बॉलीवुड की फिल्मों स्काई फोर्स, दसवीं और एयरलिफ्ट में बेहतरीन किरदार अदा किया है। उन्होंने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। निमरत ने हॉलीवुड सीरीज होमलैंड में काम किया है। वह वेवार्ड पाइंस और फाउंडेशन में भी नजर आईं। ऐसे में आज हम उन बॉलीवुड एक्ट्रेस के बारे में जानेंगे जो बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचीं।

प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड को अंदाज, ऐतराज और किस्मत जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। अपने फिल्मी करियर को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने हॉलीवुड का रुख किया। उन्होंने हॉलीवुड की बेवाच, ए किड लाइक जेक और द व्हाइट टाइगर जैसी फिल्मों में काम किया।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने बॉलीवुड को पद्मावत, जवान और पठान जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म एक्सएक्सएक्स- रिटर्न ऑफ जेंडर केज और फास्ट एंड फ्यूरियस 7 में भी काम किया।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट ने बॉलीवुड को गंगूबाई काठियावाड़ी, हाइवे और राजी जैसी बेहतरीन फिल्में दी हैं। उन्होंने साल 2022 में हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में काम किया है।

ऐश्वर्या राय

ऐश्वर्या राय देवदास, धूम और मोहब्बतें जैसी फिल्मों में नजर आईं। वह अभी भी बॉलीवुड फिल्मों में काम करती हैं। उन्होंने हॉलीवुड फिल्म प्रोवोक्ड और द लास्ट लीजन में काम किया।

लापता लेडीज में 'इंस्पेक्टर मनोहर' बनना चाहते थे आमिर खान

किरण राव की फिल्म 'लापता लेडिज' में सुपरस्टार आमिर खान 'इंस्पेक्टर मनोहर' का किरदार निभाना चाहते थे। हालांकि, वह ऑडिशन में फेल हो गए थे। उन्होंने पुलिस की वर्दी में खुद का एक ऑडिशन टेप शेयर किया, जिसमें वह पान चबाते नजर आए। 'लापता लेडीज' के लिए खारिज किए गए ऑडिशन क्लिप में अभिनेता का एक ऐसा पहलू दिखाया गया है, जो पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, यह भूमिका बड़े पर्दे पर नहीं आई, लेकिन वीडियो को सोशल मीडिया यूजर्स पसंद कर रहे हैं। आमिर के नए यूट्यूब चैनल 'आमिर खान टॉकीज' ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें किरण राव ने खुलासा किया कि आमिर पहले फिल्म में 'श्याम मनोहर' नामक एक पुलिस वाले की भूमिका निभाने वाले थे, जो बाद में रवि किशन को मिल गई।

आलिया की सफलता से सारा को होती थी जलन

आलिया भट्ट इस वक्त इंडस्ट्री की टॉप हीरोइन हैं। एक्ट्रेस अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल अचीवमेंट्स की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस सारा अली खान ने ये खुलासा किया कि उन्हें आलिया भट्ट से जलन होती थी। एक समय उन्हें आलिया के प्रोफेशनल और पर्सनल दोनों लाइफ से जलन होने लगी थी। वो कहती हैं कि उन्होंने एक्ट्रेस की लाइफ में आने वाली चुनौतियों पर सोचा ही नहीं। उन्हें सिर्फ उनकी सफलता दिख रही थी। सारा कहती हैं- जब आलिया को नेशनल अवॉर्ड मिला था। उस वक्त मुझे लगा भगवान ये अवॉर्ड जीत गईं। उनके पास एक बच्चा भी है। उनकी जिंदगी तो सेट है। लेकिन मुझे नहीं पता कि उन्हें यह सब पाने के लिए क्या-क्या सहना पड़ा होगा। एक एक्टर के तौर पर मैंने उन्हें अमानवीय बना दिया। सारा अपनी बात में आगे कहती हैं, हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। किसी से जलन महसूस करने से पहले उस इंसान की पूरी कहानी जाननी होती है। अक्सर हम बिना किसी की मेहनत जाने उससे जलन लगते हैं। हमें बस दूसरों की सफलता दिखती है। उन्होंने कहा, हम नहीं देख पाते कि इसके पीछे क्या चल रहा है। जलन का मतलब है अंधापन। बता दें कि आलिया भट्ट को साल 2022 में उनकी फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड मिला था। उसी साल अप्रैल में उन्होंने एक्टर रणबीर कपूर से शादी की थी। 2022 के नवंबर में दोनों राहा के पेरेंट्स बने। वहीं, सारा अली खान की बात करें तो उन्होंने साल 2018 में फिल्म केदारनाथ से अपने करियर की शुरुआत की थी। सारा की स्काई फोर्स इसी साल रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पांस मिला था। जल्द ही वो फिल्म मेट्रो इन दिनों में दिखेंगी।

तकदीर अच्छी हुई तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी, राजनीति में एंट्री पर बोले सलमान

बॉलीवुड में लगभग साढ़े तीन दशक से भी ज्यादा का समय बिता चुके सलमान खान का ईद पर सालों से प्रभुत्व रहा है। इस बार वह साउथ के जाने-माने डायरेक्टर एआर मुरुगादॉस के साथ सिकंदर लेकर आ रहे हैं। सलमान ने हाल ही खास बातचीत में अपनी इस फिल्म के अलावा परिवार, बॉक्स ऑफिस, जान से मारने की धमकियों, राजनीति, एज गैप जैसे कई मुद्दों पर बात की।

सलमान आपकी निजी जिंदगी हो या सोशल मीडिया आपका परिवार प्रेम हमेशा नजर आता है। वो पारिवारिक मूल्य और बॉन्डिंग कहां से आते हैं?

प्यार तो परिवार से आता है। पालन-पोषण से आता है। मॉम और डैड की जब शादी हुई थी, तो वओ दोनों ही अलग-अलग कल्चर और धर्म से थे। मगर मेरे नाना के लिए मुद्दा ये नहीं था कि मेरे डैड मुसलमान हैं, उनकी समस्या थी कि ये फिल्म इंडस्ट्री का आदमी है। मेरे नाना मेरे पिता से शादी के पांच साल बाद मिले थे, वो भी जब सोहेल पैदा हुआ। उस वक्त उन्होंने मेरे पिता को बहुत प्यार दिया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी गलती ये हुई है कि उन्होंने पांच साल न मिलकर वक्त बर्बाद किया। एक बार जब मेरी मॉम झगड़कर मायके चली गई थीं, तब मेरे नाना ने कहा था कि अब तुम्हारी अर्थी वहीं से उठेगी। तुम इस तरह से घर छोड़कर यहां मायके मत आना। तुम यहां मिलने-जुलने आ सकती हो, मगर घर छोड़ कर नहीं। लड़ाई-झगड़े तो होते रहते हैं, तुम घर वापस जाओ। वो अच्छा आदमी है। पता नहीं मेरे पिता सलीम खान ने मेरे नाना पर क्या जादू चलाया था। परिवार से हमने बहुत कुछ सीखा और फिर दोस्तों से भी। जिनसे लगा कि ये बहलाने-फुसलाने के लिए आए हैं, उनसे हम दूर ही रहे हैं। हम जब 18-20 साल के हुए, तो हमारे पिता के दोस्त हमारे दोस्त बन गए। हमारे फ्रेंड्स हमारे फादर के फ्रेंड्स हो गए। हम भाइयों के दोस्तों का सर्कल भी ब्रदर्स जैसा ही है।

अगर फिल्मों की बात करूं, तो आप बॉक्स ऑफिस के अनप्रेडिक्टेबल मिजाज के बारे में क्या सोचते हैं। समझ में नहीं आ रहा कि क्या चलेगा, क्या नहीं?

अच्छी फिल्म होगी, तो चलेगी और अगर अच्छी नहीं हुई, तो नहीं चलेगी, मगर तकदीर बहुत अच्छी हुई, तो बुरी फिल्म भी चल जाएगी।

आपने अनगिनत फिल्मों में काम किया है। आप मास सिनेमा को कैसे डिफाइन करते हैं?

देखिए, मास और क्लास सिनेमा का जो सेपरेशन था, वो तो एकदम से हिल गया है। आज आप मल्टीप्लेक्स में भी चले जाओ, तो सीटी-वीटी मारने का चलन वहां भी देखने मिलता है। मगर मैं हमेशा कहता हूं कि सिंगल थिएटर में जो ब्लैक में इतने सारे पैसे खर्च करके टिकट लेते हैं, उनको मल्टीप्लेक्स में जाकर ही फिल्म देख लेनी चाहिए। मगर कई बार पीवीआर और आइनॉक्स वाले भी गेटी-गैलेक्सी में फिल्में देखने जाते हैं। असल में वो उस मासी फीलिंग के लिए इन थिएटरों में जाते हैं।

सलमान धमकियां मिलना आपके लिए नई बात नहीं है, मगर उम्र के इस मुकाम पर आप बेखौफ हो गए हैं या बेचैन रहते हैं?

अल्लाह और भगवान है। जितनी उम्र लिखी होगी, उतनी तो रहेगी, मगर कभी-कभी इतने सारे लोगों को साथ लेकर चलना होता है, वही प्रॉब्लम हो जाती है।

एटली के साथ आपकी फिल्म को लेकर काफी चर्चाएं हैं। हाल-फिलहाल उसका स्टेटस क्या है?

एटली के साथ वाली फिल्म पूर्वनियोजित तौर पर नहीं हो पाई है और इसका कारण मुझे फिल्म का ग्रैंड स्केल और भव्य बजट लग रहा है। इस तरह की फिल्म के लिए बहुत सारा एफर्ट्स और समय चाहिए, जो दो फिल्में करने जितना है। यही वजह है कि मैंने अपना समय दो अलग-अलग प्रोजेक्ट्स को दिया।

आपकी फिल्म में एक डायलॉग है, सीएम, पीएम का तो पता नहीं, मगर एमएलए, एमपी तो बन जाऊंगा, तो क्या सलमान भविष्य में आप किसी बदलाव के तहत राजनीति में जाने की सोचते हैं?

इसके बाद एक और डायलॉग है फिल्म में, मुझे कोई इंटरेस्ट नहीं है, क्योंकि राजनीति मेरा फील्ड नहीं है। जब किसी को गवर्नेंस और एडमिनिस्ट्रेशन नहीं आता, तो उसे इस क्षेत्र में घुसना नहीं चाहिए। वो हमको आता ही नहीं, वो हमारा काम ही नहीं है। हमको ये काम इतना बढ़िया आता है, तो हम यही करेंगे।

निर्देशक मुरुगादॉस एक्शन के लिए जाने जाते हैं, तो क्या वो जलवा इस फिल्म में देखने को मिलेगा?

यहां पर मामला थोड़ा अलग है। मेरा मानना है कि एक्शन में जब तक इमोशन जुड़ा हुआ न हो, बात बनती नहीं है। मुरुगादॉस की पिछली जो भी फिल्में थीं, आमिर की गजनी उसमें भी इमोशन बहुत तगड़ा था। अक्षय कुमार की हॉलिडे में भी इमोशन स्ट्रॉन्ग था और यहां पर आपको को ये देखने को मिलेगा। फिल्म का इमोशनल ग्राफ बहुत अच्छा है। मेसेज भी है और मनोरंजन भी।

फिल्म में आपकी हीरोइन रश्मिका मंदाना और आपकी उम्र के अंतर को लेकर काफी चर्चा चल रही है?

मैं जब भी नई लड़कियों के साथ काम करता हूं, मेरी कोशिश उन्हें एक बड़ा प्लैटफॉर्म देने की होती है, एक बड़ा स्टार बनाने की। मगर एज गैप का मुद्दा लाकर आप लोगों ने इनका बेड़ा गर्क कर दिया। मुझे अगर अनन्या पांडे और जहान्वी कपूर के साथ काम करना होगा, तो मुझे दस बार सोचना होगा। मगर दस बार सोच कर भी मैं करूंगा।

टाटा पावर को ग्रीन एनर्जी स्किलिंग को आगे बढ़ाने के लिए एनसीवीईटी से मिली मान्यता

जयपुर टाइम्स

राष्ट्रीय(एजेंसी.), । भारत की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक, टाटा पावर को राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) के तहत एक दोहरी पुरस्कार देने वाली संस्था (एबी-ड्यूअल) के रूप में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई है। एक समझौते के ज़रिये औपचारिक रूप से दी गई यह उल्लेखनीय मान्यता, टाटा पावर को अपनी कौशल विकास शाखा, टाटा पावर स्किल डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (टीपीएसडीआई) में प्रशिक्षित शिक्षार्थियों की योग्यता का मूल्यांकन, प्रमाणन और पुरस्कार देने का अधिकार प्रदान करती है। टीपीएसडीआई, टाटा पावर द्वारा समर्थित उल्लेखनीय संस्थान है, जो युवाओं को तेज़ी से बढ़ते ऊर्जा क्षेत्र के लिए विशेषज्ञता से लैस कर रहा है।

इस समझौते पर टाटा पावर की ओर से आलोक प्रसाद (प्रमुख - टीपीएसडीआई) और एनसीवीईटी की ओर से कर्नल गुंजन चौधरी (निदेशक - एनसीवीईटी) ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर श्री अतुल कुमार तिवारी (सचिव, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय और अध्यक्ष, एनसीवीईटी) और हिमाल तिवारी (अध्यक्ष - ग्रुप एचआर, सीएचआरओ, प्रमुख -सस्टेनेबिलिटी (वहनीयता) और सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक ज़िम्मेदारी) मौजूद थे।

यह मान्यता स्किल इंडिया मिशन और टाटा पावर के बिजली क्षेत्र में कौशल की कमी दूर करने के लिए चल रहे मौजूदा प्रयासों के अनुरूप है।

एनसीवीईटी की मान्यता टीपीएसडीआई को रूफटॉप सोलर इंस्टॉलेशन, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन और पंप हाइड्रो जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लोगों को प्रमाणित कर अपनी कौशल पहल का विस्तार करने में मदद करेगी, जो भारत के तेज़ी से विकसित हो रहे हरित ऊर्जा क्षेत्र के अनुरूप हैं।

कंपनी इसे सुविधाजनक बनाने के लिए अपने प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए तैयार है, जिससे देश भर में उद्योग के अनुरूप कौशल कार्यक्रमों तक अधिक पहुंच सुनिश्चित हो सके।

टीपीएसडीआई ने अब तक तीन लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया है और अब वह अपने स्वामित्व वाले या पूरी तरह से प्रबंधित परिसरों में अपनी स्वीकृत या अपनाई गई योग्यताओं के लिए सीधे उद्योग-मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र प्रदान कर सकेगा।

यह मान्यता टीपीएसडीआई-प्रमाणित पेशेवरों की विश्वसनीयता और रोज़गार क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भविष्य के लिए भारत के हरित कार्यबल को मज़बूती मिलेगी। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तहत राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय नियामक के रूप में काम करती है। यह देश भर में मानक निर्धारित करने, नियम बनाने और कौशल संबंधी पहलों की गुणवत्ता और प्रभाव को बढ़ाने के लिए ज़िम्मेदार है। एनसीवीईटी पुरस्कार देने वाली संस्थाओं और मूल्यांकन एजेंसियों को मान्यता प्रदान करती है और इनका विनियमन करती है, जिससे उद्योग की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए बेहद दक्ष कार्यबल का विकास सुनिश्चित होता है।

टाटा पावर के सीएचआरओ और सस्टेनेबिलिटी एवं सीएसआर प्रमुख, हिमाल तिवारी ने इस अवसर पर कहा¬ टाटा पावर का एनसीवीईटी के तहत पुरस्कार देने वाली संस्था बनना, कार्यबल में आमूल बदलाव की दिशा में कंपनी की यात्रा के लिहाज़ से निर्णायक क्षण है। हम इस सम्मान के साथ अपने 11 केंद्रों के ज़रिये पेशेवरों को कौशल तथा प्रमाणन प्रदान करने के लिए तैयार हैं, जिससे भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण के लिए आवश्यक कौशल से लैस उद्योग की ज़रूरतों के अनुरूप प्रतिभा पूल तैयार होगा। आने वाले दिनों में हम अपनी पहुंच तथा बदलाव लाने के प्रयास के विस्तार, भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले क्षेत्रों में विशेषज्ञता के विकास और वहनीय, आत्मनिर्भर ऊर्जा भविष्य के संबंध में भारत के दृष्टिकोण में सार्थक योगदान पर ध्यान देते रहेंगे।

हरित रोज़गार पर बढ़ते ज़ोर के साथ, टीपीएसडीआई सौर और पवन ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, ग्रिड आधुनिकीकरण और वहनीय बिजली समाधान जैसे उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

टाटा पावर इस गठजोड़ के ज़रिये उद्योग के अनुकूल कौशल विकास के लिहाज़ से अग्रणी के रूप में अपनी भूमिका को दृढ़ कर रही है, जो पेशेवरों को उभरते ऊर्जा क्षेत्र में व्यावहारिक विशेषज्ञता से लैस करती है। यह पहल राष्ट्र निर्माण, कार्यबल के विकास और आत्मनिर्भर भारत के प्रति टाटा पावर की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष डीआरएचपी दाखिल किया

जयपुर टाइम्स

वित्त वर्ष 2024, वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2022 के लिए राजस्व के मामले में भारत का सबसे बड़ा और सबसे तेजी से बढ़ता गैर-लौह धातु रीसाइक्लिंग व्यवसाय (स्रोत¬ क्रिसिल) जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। 2,000 करोड़ तक के कुल सार्वजनिक निर्गम में 500 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम और ? 1,500 करोड़ तक का बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है।

बिक्री के लिए प्रस्ताव में कमलेश जैन (प्रवर्तक विक्रय शेयरधारक) द्वारा कुल 1430 करोड़ तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं; और मयंक पारीक (अन्य विक्रय शेयरधारक) द्वारा कुल 70 करोड़ तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं। कमलेश जैन कंपनी के प्रवर्तक हैं।

सात दशकों की समृद्ध विरासत के साथ, जैन मेटल ग्रुप ने भारत में अलौह धातुओं के पुनर्चक्रण और उत्पादन में अग्रणी के रूप में खुद को स्थापित किया है (स्रोत¬ क्रिसिल)। जैन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड मुख्य रूप से अलौह धातु स्क्रैप के पुनर्चक्रण के माध्यम से अलौह धातु उत्पादों के निर्माण पर केंद्रित है। कंपनी के उत्पाद पोर्टफोलियो में सीसा और सीसा मिश्र धातु सिल्लियां; तांबा और तांबे की सिल्लियां; और एल्यूमीनियम और एल्यूमीनियम मिश्र धातु शामिल हैं। कंपनी भारत की दो रीसाइक्लिंग कंपनियों में से एक है जिसने अपने लीड इनगॉट को लंदन मेटल एक्सचेंज द्वारा एक ब्रांड

के रूप में पंजीकृत कराया है (स्रोत¬ क्रिसिल), जो कंपनी को वैश्विक बाजारों में अपने उत्पादों की आपूर्ति के संबंध में एलएमई संदर्भ मूल्य निर्धारण के लाभ के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप उत्पादों की पेशकश करके व्यापक ग्राहक आधार तक पहुंच का एक विशिष्ट लाभ प्रदान करता है।

बीआरएलएम के परामर्श से कंपनी रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने से पहले 100 करोड़ तक के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट किया जाता है, तो वह बीआरएलएम के परामर्श से कंपनी द्वारा तय की जाने वाली कीमत पर होगा। यदि प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पूरा हो जाता है, तो प्री-आईपीओ प्लेसमेंट के अनुसार जुटाई गई राशि एससीआरआर के नियम 19(2)(बी) के अनुपालन के अधीन, नए इश्यू से कम हो जाएगी।

जैन रिसोर्स रिसाइक्लिंग लिमिटेड ने कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया उधारों के एक हिस्से के पूर्व-भुगतान या अनुसूचित पुनर्भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव किया है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है, जो बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई, बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) हैं। डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड, मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और पीएल कैपिटल मार्केट्स प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

रेमंड लिमिटेड ने छठा प्रमुख जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट किया

जयपुर टाइम्स

मुंबई,(एजेंसी.)। रेमंड लिमिटेड (कंपनी) ने घोषणा की है कि इसकी 100त्न स्वामित्व वाली स्टेप-डाउन सहायक कंपनी, टेन एक्स रियल्टी ईस्ट लिमिटेड ने वडाला, मुंबई के प्रमुख स्थान पर एक प्रतिष्ठित रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट के लिए जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह महत्वपूर्ण रेजिडेंशियल प्रोजेक्ट लगभग 5,000 करोड़ रुपये के सकल विकास मूल्य (Gross Development Value) के साथ निर्धारित किया गया है और यह कंपनी का मुंबई के इस प्रतिष्ठित क्षेत्र में पहला वेंचर होगा। यह कंपनी द्वारा ठाणे में अपनी मौजूदा परियोजनाओं के अलावा छठी जॉइंट डेवलपमेंट परियोजना भी है, जो मुंबई महानगर क्षेत्र (स्र्क्र्र) में कंपनी के रणनीतिक विस्तार को दर्शाती है। यह प्रोजेक्ट वडाला, मुंबई में कंपनी द्वारा विकसित किया जाने वाला पहला आवासीय प्रोजेक्ट होगा।यह महत्वपूर्ण कदम रेमंड लिमिटेड की ग्रोथ स्ट्रैटेजी के अनुरूप है, जिससे वह मुंबई महानगर क्षेत्र के गतिशील रियल एस्टेट बाजार में उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित कर सके। यह परियोजना कंपनी की भविष्य की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देगी और इस क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करेगी। इस नई परियोजना के जुड़ने के साथ, कंपनी के कुल रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स का सकल विकास मूल्य लगभग 40,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

एक्सिस बैंक एनबीबीएल के भारत कनेक्ट पर फॉर्च्यून 500 कंपनी के लिए अग्रणी बी2बी कलेक्शन समाधान के साथ लाइव होने वाला पहला बैंक बना

जयपुर टाइम्स

मुंबई (एजेंसी.)। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज घोषणा की कि उसने एनबीबीएल के भारत कनेक्ट (पूर्व में बीबीपीएस) का उपयोग करके बी2बी कलेक्शन प्रदान करने के लिए भारत में फॉर्च्यून 500 कंपनी के साथ साझेदारी की है। इस कदम के साथ, एक्सिस बैंक इस अत्यंत महत्वपूर्ण समाधान को लागू करने वाला पहला बैंक बन गया है, जो अपनी अत्याधुनिक, मजबूत एपीआई स्टैक का उपयोग कर रहा है। यह समाधान एफएमसीजी, फार्मा, ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर जैसे विभिन्न क्षेत्रों के मल्टीपल ऑर्डरिंग एप्लिकेशन को एकीकृत कर सकता है, जिससे कंपनी के होलसेल डिस्ट्रीब्यूटर्स और स्टॉकिस्ट्स के लिए कलेक्शन की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। खुदरा विक्रेता (Retailers) सीधे एप्लिकेशन से इनवॉइस पेमेंट कर सकते हैं। एक बिलर ऑपरेटिंग यूनिट के रूप में, एक्सिस बैंक ने एनबीबीएल भारत बिल पे के सहयोग से यह सीमलेस, तेज, स्केलेबल और कस्टमाइज़ेबल समाधान विकसित किया है। इस सुविधा के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव और हेड - ट्रेजरी, मार्केट्स और होलसेल बैंकिंग प्रोडक्ट्स, नीरज गंभीर ने कहा, ÷एक्सिस बैंक अपने ग्राहकों के लिए अग्रणी डिजिटल भुगतान और संग्रह शुरू करने में सबसे आगे रहा है। अपनी तरह के पहले क्र2क्र संग्रह समाधान के साथ आने में कॉर्पोरेट के साथ हमारी साझेदारी हमारे सर्वश्रेष्ठ कॉर्पोरेट एपीआई बैंकिंग स्टैक का प्रमाण है। यह पहल भारत की डिजिटल यात्रा में नवाचार का एक उदाहरण है, जिसके जरिये उच्च ग्राहक सुविधा और निर्बाध भुगतान अनुभव सुनिश्चित लिया जाता है।÷

एनपीसीआई भारत बिलपे लिमिटेड (एनबीबीएल) की सीईओ नूपुर चतुर्वेदी ने कहा, ÷भारत कनेक्ट बिजनेस टू बिजनेस (बी2बी) इनवॉइस पेमेंट और फाइनेंसिंग प्लेटफॉर्म की शुरुआत के साथ अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, जिसका उद्देश्य बड़ी आपूर्ति श्रृंखला और वितरण नेटवर्क की मैन्युअल प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। हमें एक्सिस बैंक को अपना प्रमुख भागीदार और विस्तारित समाधान के साथ लाइव होने वाला पहला बैंक पाकर खुशी हो रही है। यह बैंक के साथ हमारे पहले से ही मजबूत संबंधों को और गहरा करता है और भुगतान एवं कलेक्शन क्षेत्र को समस्त लोगों तक पहुंचाने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूपीआई पर रुपे क्रेडिट कार्ड : रोजमर्रा के भुगतान को सरल बनाना

जयपुर टाइम्स

रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई के साथ एकीकृत करने से भारत में डिजिटल भुगतान परिदृश्य में बदलाव आ रहा है, जिससे उपयोगकर्ता बिना किसी भौतिक कार्ड के भुगतान कर सकते हैं। लिंकिंग प्रक्रिया सरल है और इसे किसी भी यूपीआई-सक्षम ऐप के माध्यम से किया जा सकता है। अपने रुपे क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से लिंक करने के लिए, सबसे पहले यूपीआई -सक्षम एप डाउनलोड करें। इसके बाद, अपने बैंक से जुड़े मोबाइल नंबर से रजिस्टर या लॉग इन करें और प्रोफ़ाइल सेक्शन में ÷अकाउंट जोड़ें÷ चुनें। फिर, सूची से अपना क्रेडिट कार्ड जारी करने वाला बैंक चुनें, अपना रुपे क्रेडिट कार्ड चुनें, सत्यापन प्रक्रिया पूरी करें और यूपीआई पिन सेट करें। एक बार हो जाने के बाद, आप सहज लेनदेन करना शुरू कर सकते हैं।

इसके अलावा, रुपे क्रेडिट कार्ड का उपयोग यूपीआई भुगतान स्वीकार करने वाले मर्चेंट आउटलेट्स पर किया जा सकता है, जिसमें छोटे और मध्यम आकार के व्यवसाय - जिसमें किराना स्टोर, स्ट्रीट वेंडर और स्थानीय दुकानें शामिल हैं - से लेकर बड़े प्रतिष्ठान शामिल हैं, भले ही उनके पास पारंपरिक पॉइंट-ऑफ-सेल (POS) टर्मिनल न हो। उपयोगकर्ता किराने का सामान, ईंधन, भोजन और ऑनलाइन भुगतान जैसे रोजमर्रा के खर्चों पर पुरस्कार, कैशबैक और विशेष ऑफ़र प्राप्त कर सकते हैं। कई बैंक यूपीआई से जुड़े रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए अतिरिक्त लाभ प्रदान करते हैं, जिससे लेन-देन अधिक फायदेमंद हो जाता है।

एएमएफआई-क्रिसिल रिपोर्ट: मजबूत वित्तीय समावेशन के बीच निवेश में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

जयपुर टाइम्स

एएमएफआई-क्रिसिल की नवीनतम रिपोर्ट भारत में महिलाओं के वित्तीय व्यवहार में आए आमूलचूल परिवर्तन को उजागर करती है, जो बचत से निवेश की ओर एक स्थिर संक्रमण को दर्शाती है। निष्कर्ष बताते हैं कि कार्यबल में बढ़ती भागीदारी, डिजिटल वित्तीय अपनाने और लक्षित वित्तीय साक्षरता पहलों के कारण धन सृजन में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है।

एएमएफआई-क्रिसिल रिपोर्ट से मुख्य जानकारी

वित्तीय समावेशन में वृद्धि¬ आरबीआई द्वारा प्रकाशित भारत का वित्तीय समावेशन सूचकांक (एफआई-इंडेक्स) मार्च 2023 में 60.1 से बढ़कर मार्च 2024 में 64.2 हो गया है। इस वृद्धि का एक महत्वपूर्ण कारक महिलाओं के नेतृत्व वाले बैंक खातों में उल्लेखनीय वृद्धि है, प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 53.13 करोड़ खातों में से 29.56 करोड़ अब महिलाओं के पास हैं।कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में उछाल¬ हाल के वर्षों में कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी लगभग दोगुनी हो गई है, जो 2017-18 में 23.3त्न से बढ़कर 2023-24 में 41.7त्न हो गई है। ग्रामीण महिलाएं इस बदलाव का नेतृत्व कर रही हैं, जहां उनकी कार्यबल भागीदारी 47.6% है। डिजिटल अपनाने से निवेश तक पहुंच में तेजी आई¬ 2014 और 2021 के बीच, डिजिटल भुगतान चैनलों का उपयोग करने वाली महिलाओं का अनुपात 14त्न से दोगुना होकर 28त्न हो गया है, जिससे वित्तीय लेनदेन में लैंगिक अंतर कम हुआ है और निवेश तक पहुंच में सुधार हुआ है।

महिलाएं और म्यूचुअल फंड निवेश

महिला निवेशकों में वृद्धि¬ पिछले पांच वर्षों में म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाली महिलाओं की संख्या में 20त्न की ष्टत्नक्रकी दर से वृद्धि हुई है। अब नए म्यूचुअल फंड फोलियो में महिलाओं का योगदान लगभग 25त्न है, जो पारंपरिक बचत से बाजार से जुड़े निवेश की ओर एक मजबूत बदलाव को दर्शाता है।एसआईपी और दीर्घ-अवधि धन सृजन को प्राथमिकता¬ महिला निवेशक व्यवस्थित निवेश योजनाओं (एसआईपी) को प्राथमिकता दे रही हैं, पिछले वर्ष पंजीकृत एसआईपी में से लगभग 40त्न महिला निवेशकों के थे। फोकस दीर्घ-अवधि धन सृजन पर बना हुआ है, जो परिपक्व निवेश मानसिकता का संकेत देता है।

भौगोलिक विस्तार¬ जबकि शहरी महिलाएं निवेश में हावी हैं, अर्ध-शहरी और ग्रामीण महिलाओं के बीच म्यूचुअल फंड की पहुंच साल-दर-साल 15त्न बढ़ी है, जो डिजिटल वित्तीय समावेशन और लक्षित निवेशक जागरूकता कार्यक्रमों से प्रेरित है।

आगे की राह

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि वित्तीय साक्षरता और निवेश जागरूकता कार्यक्रम महिलाओं को स्वतंत्र वित्तीय निर्णय लेने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

प्रोज़ील ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने सेबी के पास दायल किया डीआरएचपी

जयपुर टाइम्स

वित्त वर्ष 2024 के लिए परिचालन से राजस्व के मामले में भारत की चौथी सबसे बड़ी सौर ईपीसी कंपनी प्रोजील ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (स्रोत¬ क्रिसिल रिपोर्ट), ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (÷सेबी÷) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (÷डीआरएचपी÷) दाखिल किया है।

प्रोजील ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (÷हमारी कंपनी÷ या ÷जारीकर्ता÷) के 2 रुपये प्रत्येक (÷इक्विटी शेयर÷) के अंकित मूल्य की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश कुल मिलाकर 7,000.00 मिलियन रुपये (÷प्रस्ताव÷) का है।

इस प्रस्ताव में 2 रुपये अंकित मूल्य वाले नए शेयर जारी करने और कुल 3,500 मिलियन रुपये तक के शेयर (÷ताजा शेयर÷) और 2 रुपये अंकित मूल्य वाले शेयर बिक्री के लिए प्रस्ताव शामिल है, जिसका कुल मूल्य 3,500.00 मिलियन रुपये तक है (÷बिक्री के लिए प्रस्ताव÷), जिसमें शोभित बैजनाथ राय द्वारा 1,685 मिलियन रुपये और मनन हितेंद्रकुमार ठक्कर (÷शेयरधारकों को बेचने वाले प्रमोटर÷) द्वारा 1,685 मिलियन रुपये तक, एएआर ईएम वेंचर्स एलएलपी द्वारा 30 मिलियन रुपये तक, भावेशकुमार बच्चूभाई मेहता द्वारा 20 मिलियन रुपये तक, जया चंद्रकांत गोगरी द्वारा 60 मिलियन रुपये तक और मनोज मुलजी छेड़ा (÷निवेशक÷) द्वारा 20 मिलियन रुपये तक के शेयर शामिल हैं। विक्रय शेयरधारक÷) (शेयरधारकों को बेचने वाले निवेशक के साथ-साथ प्रमोटर शेयरधारकों को बेचते हैं, ÷विक्रय शेयरधारक÷ और ऐसे इक्विटी शेयर, ÷प्रस्तावित शेयर÷) है।

कंपनी ने प्रस्ताव से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी के दीर्घकालिक वर्किंग कैपिटल खर्च के वित्तपोषण, कुछ उधारों के आंशिक या पूर्ण पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान के लिए सहायक कंपनी में निवेश, तथा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करने का प्रस्ताव किया है।

नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड और एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

प्रोजील ग्रीन एनर्जी का ध्यान टर्नकी आधार पर सौर ऊर्जा परियोजनाओं की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सहित एंड-टू-एंड अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदान करने पर केंद्रित है, जिसमें वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों में ग्राहकों की सेवा पर जोर दिया गया है। जबकि कंपनी अपने ग्राहकों के लिए स्वतंत्र सौर ईपीसी परियोजनाओं को क्रियान्वित करती है, इसका मुख्य ध्यान ÷प्लग-एंड-प्ले÷ सौर पार्क मॉडल पर आधारित परियोजनाओं को लागू करने पर है। इस मॉडल के तहत कंपनी अवधारणा और भूमि अधिग्रहण से लेकर कमीशनिंग तक निर्बाध परियोजना परिनियोजन की सुविधा प्रदान करती है और सौर ऊर्जा संयंत्र से बिजली ग्रिड तक निकासी लाइनों सहित आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने में सहायता करती है। इस प्रक्रिया को परियोजना डिजाइन, निष्पादन क्षमताओं और खरीद रणनीतियों में इसकी विशेषज्ञता द्वारा पूरक किया जाता है।

कंपनी ग्राहकों को कैपेक्स या ओपेक्स मॉडल, भूमि खरीद या पट्टे, और उपयुक्त प्रौद्योगिकी के चयन के विकल्प सहित अनुकूलित समाधान प्रदान करती है। 2013 में अपनी स्थापना के बाद से 30 सितंबर, 2024 तक, प्रोज़ील ग्रीन एनर्जी ने 125 ग्राहकों के लिए भारत के 17 राज्यों और एक विदेशी स्थान (नेपाल) में 783.98 रूक्क्ष् की कुल स्थापित क्षमता के साथ 182 सौर ऊर्जा परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है।

प्रोज़ील ग्रीन एनर्जी के ईपीसी ग्राहकों में टोरेंट पावर लिमिटेड, एएम ग्रीन एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड, जीएचसीएल लिमिटेड, एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, असाही सोंगवोन कलर्स लिमिटेड, मार्क अलॉयज प्राइवेट लिमिटेड, अजय कॉस्टस्पिन इंडस्ट्रीज, पशुपति कॉस्टस्पिन लिमिटेड और एसीजी एसोसिएटेड कैप्सूल्स प्राइवेट लिमिटेड जैसे प्रमुख संगठन शामिल हैं।

30 सितंबर, 2024 तक इसकी ऑर्डर बुक, जिसे ईपीसी अनुबंधों के तहत देय राशि में से उन अनुबंधों से पहले से मान्यता प्राप्त राजस्व को घटाकर परिभाषित किया गया है, ?22,209.22 मिलियन थी, जिसमें से ?22,093.04 मिलियन, या 99.48त्न, जमीन पर स्थापित सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए थी।

प्रोज़ील ग्रीन एनर्जी ने मजबूत वित्तीय प्रदर्शन किया है, जिसमें परिचालन से राजस्व वित्त वर्ष 2022 में ?2,871.85 मिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में ?9,488.82 मिलियन हो गया है, जो 81.77त्न की सीएजीआर दर्शाता है। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए परिचालन से राजस्व ?4,685.40 मिलियन था।

कंपनी का एबिट्डा वित्त वर्ष 2022 में ?115.44 मिलियन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में ?1,247.36 मिलियन हो गया, जो 228.71त्न की सीएजीआर दर्शाता है। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए एबिट्डा ?687.13 मिलियन था।

अपना घर सेवा समिति की महिलाओं ने नवरात्रि के अवसर पर सामान्य चिकित्सालय बाड़ी में किया वस्त्र वितरण कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

बाड़ी धौलपुर(निसं.)। अपना घर सेवा समिति महिला इकाई ने नवरात्रि के अवसर पर अस्पताल में जाकर कन्याओं का एवं छोटे बच्चों का पूजन किया उन्हें वस्त्र, बिस्किट, फल वितरित किए, यह सब अपना घर आश्रम की संरक्षक कमलेश गर्ग एवं अपना घर महिला इकाई की अध्यक्ष ऊषा मित्तल के नेतृत्व में हुआ, जिसमें अपना घर आश्रम की संरक्षक कमलेश गर्ग अपना घर महिला इकाई की की अध्यक्ष ऊषा मित्तल, कोषाध्यक्ष लता मंगल, सचिव नीलम मंगल, सूचना मंत्री रानी गर्ग, संजू गोयल, रूबी बंसल, ओमवती जिंदल, विद्या देवी जिंदल, वंदना गर्ग, निर्मला शिवहरे, एवं समस्त महिला इकाई की कार्यकारिणी उपस्थिति रही।

नगर निकायों के वार्डों के पुर्नगठन एवं पुर्नसीमांकन हेतु आपत्ति आमंत्रित

17 अप्रैल तक दर्ज करवाई जा सकती है आपत्ति

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशों एवं निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जिले के नगरीय निकायों के वार्डो के परिसीमाकंन के प्रस्ताव जन साधारण से आपत्तियां आमंत्रित करने के लिए प्रकाशित कर दिए गए है। जिला निर्वाचन अधिकारी शुभम चौधरी द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार नगर परिषद सवाई माधोपुर में 60, नगर परिषद गंगापुरसिटी में 60, नगर पालिका वजीरपुर में 25, नगर पालिका खण्डार में 25 नगर पालिका बौंली में 25 वार्ड तथा नगरपालिका बामनवास में 20 वार्ड निर्धारित किए गए है। वार्डो की संख्या के अनुसार वार्डो के सीमाकंन के प्रारूप प्रस्ताव प्रकाशित किये गये है। जिनकी प्रतियां जन साधारण के अवलोकनार्थ सम्बन्धित नगरीय निकाय कार्यालय, उपखण्ड अधिकारी कार्यालय एवं तहसील कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। जारी सूचना के अनुसार प्रकाशित प्रस्तावों के सम्बन्ध में लिखित आपत्तियां 17 अप्रैल, 2025 तक जिला कलक्टर, सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी अथवा नगरीय निकाय के आयुक्त/अधिशाषी अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं।

खेल अकादमियों में प्रवेश प्रक्रिया 7 अप्रेल से

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल विभाग तथा राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद् की ओर से संचालित खेल अकादमियों में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा 2025-2026 सत्र के लिए आयोजित की जा रही है। यह प्रक्रिया 7 अप्रेल से 21 अप्रेल तक सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में चलेगी। जिला खेल अधिकारी अब्दुल वहीद ने बताया कि 7 एवं 8 अप्रैल को बालक-बालिका फुटबॉल, कुश्ती (बालक), साईक्लिंग (बालक), अकादमी चयन तथा 9 एवं 10 अप्रैल एथलेटिक्स (बालक-बालिका) व पैरा खेल (बालक), अकादमी चयन, 15 एवं 16 अप्रैल को वॉलीबॉल (बालक-बालिका) व तीरंदाजी (बालक-बालिका) अकादमी चयन, 17 एवं 18 अप्रैल बालक-बालिका हॉकी व कबड्डी अकादमी चयन, 20 एवं 21 अप्रैल को बालक-बालिका बास्केबॉल व हैण्डबॉल चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बालक वर्ग में आयु सीमा न्यूनतम 12 वर्ष व अधिकतम 16 वर्ष तथा बालिका वर्ग में न्यूनतम 13 वर्ष व अधिकतम 17 वर्ष आयु की गणना 1 जनवरी, 2025 को की जाएगी। चयन प्रक्रिया हेतु शर्ते चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए खिलाडी को खेल किट में उपस्थित होना होगा। जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अंकतालिका, खेल प्रमाण पत्र सहित सभी दस्तावेज मूलरूप से प्रस्तुत करने होंगे। खिलाडी अविवाहित होना चाहिए। केवल ऑनलाइन फार्म ही स्वीकार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने हेतु लिंक https://rajasthan-state-sports-council.netlify.app/ प्रवेश के इच्छुक खिलाडी विस्तृत जानकारी स्थानीय कार्यालय जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र (स्टेडियम दशहरा मैदान) सवाई माधोपुर से प्राप्त कर सकते है। चयनित खिलाडियों को आवास, भोजन, शिक्षा, प्रशिक्षण और चिकित्सा सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

विद्यार्थियों को टी-शर्ट किए वितरित

जयपुर टाइम्स

कानोता(निसं.)। मानव मिलन संस्थान जयपुर द्वारा कस्बे की सांभरिया रोड़ स्थित महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 100 विद्यार्थियों को टी शर्ट एवं फल वितरित किए। विद्यालय की प्रधानाचार्य सीमा शर्मा ने बताया कि मंगलवार को विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की उप प्रधानाचार्य अनुसुइया शर्मा की प्रेरणा से मानव मिलन संस्थान जयपुर के अध्यक्ष प्रमोद चौरड़िया, सहमंत्री पूनम चंद जैन, सदस्य प्रदीप राजपुरोहित एवं शोभा राजपुरोहित के द्वारा विद्यालय के शैक्षिक एवं सह शैक्षिक गतिविधियों में अग्रणी मेधावी छात्र- छात्राओं को टी-शर्ट एवं सभी विद्यार्थी को फल वितरित किए गए। मीडिया प्रभारी शिक्षक पवन शर्मा ने बताया कि प्रधानाचार्य के द्वारा संस्थान को इस नेक कार्य के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का मंच संचालन शुभ्रा लड़ीवाला ने किया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ सहित अभिभावक ग्रामवासी उपस्थित रहे।

पंच गौरव योजना : एक जिला, एक उपज के तहत आलू का समृद्ध भविष्य

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। राजस्थान सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रारंभ की गई पंच गौरव योजना राज्य के कृषि और आर्थिक विकास को नई दिशा देने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के अंतर्गत 'एक जिला, एक उपज' की अवधारणा को साकार करते हुए प्रत्येक जिले में एक विशिष्ट कृषि उत्पाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में धौलपुर जिले में 'आलू' को चयनित किया गया है। यह पहल किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ जिले में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने और आर्थिक गतिविधियों को गति देने में सहायक सिद्ध होगी। आलू भारत की कृषि व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह न केवल घरेलू उपभोग के लिए आवश्यक है, बल्कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में भी इसकी व्यापक उपयोगिता है। जिले की जलवायु और मिट्टी आलू उत्पादन के लिए अनुकूल है, जिससे यहां आलू की पैदावार उच्च गुणवत्ता वाली होती है। आंकड़ों के अनुसार जिले में वार्षिक रूप से लगभग 63 हजार मीट्रिक टन आलू का उत्पादन किया जाता है, जो इस क्षेत्र को आलू उत्पादन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाता है। पंच गौरव योजना के तहत आलू उत्पादन को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा अनेक रणनीतिक प्रयास किए जा रहे हैं। किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले रोग प्रतिरोधक एवं अधिक उत्पादन देने वाले आलू के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उपज की मात्रा और गुणवत्ता में सुधार होगा। इसके अतिरिक्त जैविक एवं टिकाऊ खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जल संरक्षण और स्मार्ट फार्मिंग को बढ़ावा देने के लिए ड्रिप इरिगेशन जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। आलू के उत्पादन के साथ-साथ उसके प्रसंस्करण और विपणन को भी विशेष रूप से बढ़ावा दिया जायेगा। आलू से बनने वाले उत्पादों जैसे आलू चिप्स, स्टार्च और अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों के लिए प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जाएगी। जिले में आलू आधारित लघु उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए तकनीकी सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रमुख कॉमर्स प्लेटफार्मों और प्रमुख सुपरमार्केट चेन के साथ गठजोड़ कर जिले के आलू उत्पादकों को एक व्यापक बाजार प्रदान किया जायेगा। इस योजना के तहत किसानों के सशक्तिकरण के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे जिसमें उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, जैविक खेती, जल संरक्षण विधियों और प्रसंस्करण उद्योग से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। स्वयं सहायता समूह और महिला उद्यमियों को भी इस योजना के तहत विशेष प्रोत्साहन दिया जाएगा ताकि वे आलू उत्पादन और प्रसंस्करण क्षेत्र में अपनी भागीदारी बढ़ा सकें। इसके साथ ही जिले में आलू उत्पादन और प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे श्रम पलायन की समस्या को कम करने में सहायता मिलेगी। पंच गौरव योजना के तहत 'एक जिला, एक उपज' नीति से जिले को अभूतपूर्व लाभ प्राप्त होगा। अनुमान है कि इस पहल से किसानों की आय में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। इसके अतिरिक्त जिले की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलेगा और कृषि आधारित लघु उद्योगों का तेजी से विकास होगा। इस योजना के माध्यम से जिले को आलू उत्पादन और प्रसंस्करण का एक प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

जिला कलक्टर ने नगर परिषद एवं नगर पालिका अधिकारियों की ली बैठक

वार्षिक कार्ययोजना का जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदन कर विभिन्न कार्यों हेतु किया निर्देशित

सफाई, सौंदर्यीकरण और बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने पर दिया जोर

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) जिला कलक्टर कल्पना अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर परिषद एवं समस्त नगर पालिकाओं के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वार्षिक कार्य योजना, विभिन्न शहरी विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये गये। जिला कलक्टर ने मुख्यमंत्री शहरी रोजगार योजना एक्शन प्लान, वॉर्डों के पुनर्गठन, सम्पर्क पोर्टल, स्वच्छ भारत मिशन, केंद्र व राज्य सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं तथा नगर परिषद/नगरपालिकाओं के विभिन्न मेजर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे अपने विभागों से संबंधित कार्यों में गति लायें एवं नियमित मॉनिटरिंग कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। बैठक में वार्षिक कार्य योजना का जिला स्तरीय समिति द्वारा द्वारा अनुमोदन किया गया। जिसमें एमएसआरवीवाई के बजट प्रावधान अनुसार नगर परिषद में 01 करोड़ रुपये व नगर पालिका में 60 लाख रुपये के कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके तहत पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण संबंधी कार्य, स्वच्छता एवं सेनिटेशन कार्य, सम्पत्ति विरूपण, कन्वर्जेंस कार्य, सेवा संबंधी कार्य एवं हेरिटेज संरक्षण संबंधी कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध करने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने शहर में सफाई व्यवस्था को और अधिक दुरुस्त करने, सार्वजनिक स्थलों एवं दीवारों पर पेंटिंग व सौंदर्यीकरण कार्य करने, गंदे जल की निकासी एवं ड्रेनेज सिस्टम को सुधारने, सड़कों की मरम्मत एवं चौड़ाईकरण करने तथा शहर के समग्र सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित किया कि कामगारों को प्रशिक्षित कर शहर की दीवारों पर मांढ़ण कला, गेरुआ आदि से सजावट का कार्य करें, दीवारों पर पोस्टर लगाने वालों पर कार्यवाही करें, फुटपाथ के पास सुंदर पेड़-पौधे लगाकर उनकी देखभाल सुनिश्चित करें, पार्कों की नियमित सफाई हेतु संबंधित को पाबंद करें, मुख्य मार्गों व आवश्यक स्थानों पर स्ट्रीट लाईट व्यवस्था करते हुये उनका रखरखाव भी सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि शहरी क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन के उचित उपाय अपनाते हुये घर से कचरा एकत्रित करने हेतु नियमित कचरा वाहन लगाने, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई कराने के निर्देश दिये। उन्होंने नगर परिषद व नगर पालिकाओं के परिसीमन के तहत जोड़े व हटाये जाने वाले गांवों के बारे में नक्शे के माध्यम से समीक्षा कर उचित प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर शहरी क्षेत्रों का दौरा कर अव्यवस्थाओं को चिन्हित करते हुये उनके समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये। साथ ही स्टेडियम निर्माण की प्रगति की जानकारी प्राप्त कर कार्य में गति लाने को कहा। जिला कलक्टर ने कहा कि शहर के नागरिकों को स्वच्छ और सुव्यवस्थित वातावरण मिले, इसके लिए नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं को ठोस कदम उठाने होंगे। सभी योजनाओं को तय समय सीमा में पूर्ण करने एवं शहरी विकास कार्यों को प्रभावी रूप से लागू करने के लिये अधिकारियों को निर्देशित किया गया। नगर परिषद आयुक्त धर्मपाल जाट ने वार्षिक कार्ययोजना एवं विभिन्न विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से जानकारी दी। बैठक में एडीएम ओमप्रकाश सहारण, एईएन मुकेश सैनी, समस्त अधिशाषी अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्व. कर्नल बैंसला की पुण्यतिथि मनाई

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) गुर्जर आरक्षण आन्दोलन के प्रणेता, सामाजिक क्रांति के अग्रदूत स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला की तृतीय पुण्यतिथि पर निकटवर्ती ग्राम पनियाला मोड़ पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। उल्लेखनीय है कि पनियाला मोड़ स्थित सर्किल पर स्व. कर्नल बैंसला की आद्मकद प्रतिमा लगाये जाने के प्रयास किये जा रहे है। इस मौके पर गुर्जर आरक्षण आन्दोलन में शहीद हुये नन्दलाल गुर्जर को भी नमन किया गया। साथ ही आन्दोलन में जेल गये उनके भाई व नन्दलाल के पिता का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान लाखा का नांगल सरपंच हरदान गुर्जर, रामशरण सरपंच, हनुमान मुकदम, गोनेड़ा सरपंच एड. देवेन्द्र रावत, रामरतन पटेल, सवाई पंच, मूलाराम म्हासी, एड. दिनेश रावत मोरदा, छीत्तर मुकदम, रामसिंह रावत, रामप्रताप रावत, दिनेश कमान्डेंट, हंसराज रावत, सियाराम रावत, इन्द्राज नेताजी, सांवतराम गुर्जर, राकेश रावत, हरदान नेताजी, विक्रम रावत, संजय रावत, महिपाल नेताजी, मुकेश मास्टर, ग्यारसाराम रावत, अशोक रावत समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

बाबा भोमियां गौशाला समिति का गठन

हिम्मत सिंह शेखावत संरक्षक व रोहिताश राठी अध्यक्ष बने

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) निकटवर्ती ग्राम पाथरेड़ी स्थित श्री बाबा भोमियां गौशाला समिति (रजि.) की कार्यकारिणी की आम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में संरक्षक हिम्मत सिंह शेखावत, अध्यक्ष रोहिताश राठी, उपाध्यक्ष बलबीर सिंह शेखावत, वीरेंद्र यादव, कोषाध्यक्ष हंसराज सिंघल, सचिव योगेश मीणा, संगठन मंत्री शक्ति सिंह यादव, सह संगठन मंत्री राजकुमार सिंह शेखावत, प्रचार मंत्री विरेन्द्र सिंह कैरोड़ी, सलाहकार मंत्री गिरिराज यादव, उप सचिव दिलीप सिंह शेखावत, सदस्यों में मनोज मीणा, सुरेश लुनिवाल, प्रकाश गुर्जर, मनोज मामोडिया, चंगदीराम जाट, प्रमोद शर्मा को शामिल किया गया। यह जानकारी समिति के व्यवस्थापक महेश रावत ने दी।

भारतीय नववर्ष पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

कोटपूतली(निसं.) यहाँ के राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविद्यालय में मंगलवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) राजस्थान की स्थानीय ईकाई द्वारा भारतीय नववर्ष के अवसर पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में हिन्दू रिति रिवाज के अनुसार सभी संकाय सदस्यों को तिलक लगाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता सेवानिवृत्त आचार्य एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक महासंघ के क्षेत्र विचार प्रमुख डॉ. महावीर प्रसाद कुमावत ने भारतीय काल गणना को वैज्ञानिक और प्रकृति सम्मत बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति की प्रत्येक परम्परा एवं गतिविधि का आधार भारमीय काल गणना है। पाश्चात्य काल गणना हमारे ऊपर थोपी गई है। अब समय आ गया है कि हम अपनी सनातन संस्कृति का सम्मान करते हुये हमारी अपनी काल गणना को अपनायें। पाश्चात्य काल गणना अनेक विसंगतियों से परिपूर्ण है। आज हमें यह व्रत लेना चाहिये कि हम आगे से भारतीय काल गणना से कार्य करेगें। प्रो. महावीर प्रसाद कुमावत ने कहा कि हमें अपनी सनातन संस्कृति को भूलना नहीं चाहिये। हमारा पंचांग शाश्वत और वैज्ञानिक है। अध्यक्षता करते हुये प्राचार्य डॉ आर. के. सिंह ने कहा कि भारतीय नवसंवत्सर का हमारे जीवन में बहुत अधिक महत्व है। नवसंवत्सर की शुरुआत नवरात्रा जैसे शुभ उत्सव से होती है। इस समय प्रकृति नव रूप धारण करती है, वातावरण खिल उठता है। आर.वी.आर.एस. के शिक्षकों को सरकार द्वारा समान पदनाम देने पर महाविद्यालय परिवार की ओर से अभिनंदन करते हुये शुभकामनाएं व बधाईयां दी गई। आर.वी.आर.एस. शिक्षकों के प्रतिनिधि के तौर पर डॉ. खेमचन्द गुर्जर ने सगठन एवं सरकार का आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय स्टाफ क्लब की तरफ से महाविद्यालय में नवनियुक्त हिंदी साहित्य विषय के चार सहायक आचार्यों का स्वागत किया। संचालन अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) राजस्थान के स्थानीय ईकाई सचिव अशोक सिंह ने किया तथा कपूर चंद वर्मा ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान सभी संकाय सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही।

ब्राह्मण समाज की बैठक का आयोजन

कोटपूतली(निसं.) कस्बे के सराय मौहल्ले में ब्राह्मण समाज की बैठक का आयोजन संरक्षक ओमप्रकाश सारस्वत के सानिध्य में किया गया। समाज के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से विगत 24 मार्च को राधेश्याम शर्मा को अध्यक्ष चुना गया था। वहीं अध्यक्ष राधेश्याम शर्मा के सानिध्य में कार्य करने का विस्तार करते हुये उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद शर्मा, पवन पारीक, नंदकिशोर सुरेलिया, महामंत्री एड. ललित शर्मा, भंडार संरक्षक एड. दिनेश कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष सुनील कुमार शर्मा, संरक्षक ओमप्रकाश सारस्वत आदि

कार्यालय नगरपालिका राजाखेड़ा जिला धौलपुर

E-mail : rajakhera.jaipur@yahoo.com phone- 05642-233202
क्रमांकः- न.पा./ भूमि शाखा / 2025/04 दिनांक 01-04-2025

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि फैसलिटी एरिया में स्कूल, हॉस्पीटल उपयोग लीज डीड पट्टा हेतु निम्न पत्रावलियां कार्यालय नगरपालिका में प्राप्त हुई है जो निम्न प्रकार है-

क्र.सं.	आवेदन का क्रमाक	आवेदक का नाम व पता	क्षेत्रफल वर्गमीटर	आवेदित भूखण्ड क्रमांक व कॉलोनी का नाम
1		राजपालसिंह, करन जादौन पुत्र श्री हरचरनसिंह निवासी वार्ड नं. 18 चौकी के पास राजाखेडा	988.17	महदवार नं. 1 विष्णु विहार खसरा नं. 2114, फैसलिटी एरिया स्कूल, हॉस्पीटल उपयोग हेतु
2	LSG/90A/2024-25/104120	राजेन्द्र पुत्र श्री विशम्बर दयाल वार्ड नं. 18	253 वर्गमीटर	महदवार नं. 1 के खसरा नं. 2023, वाणिज्यिक उपयोग हेतु

उपरोक्त पत्रालियों पर किसी व्यक्ति एवं संस्था को निम्न प्रकरण के संबन्ध में कोई आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशित होने की तिथि से 7 दिवस में आपत्ति मयं दस्तावेज के कार्यालय हाजा में प्रस्तुत करे समयावधि निकलने के पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा एवं नियमानुसार पत्रावली का निस्तारण कर दिया जावेगा

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका राजाखेडा

दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष ने किए बालाजी के दर्शन

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। सिद्ध पीठ सालासर बालाजी धाम में मंगलवार को सुबह दिल्ली यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष रौनक खत्री व कार्तिकेय भारद्वाज, शुभम रेवाड़ ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचकर बालाजी महाराज के दर्शन किए। सालासर पहुंचने पर मंदिर के प्रथम पुजारी व पुजारी परिवार के सदस्यों ने अध्यक्ष का स्वागत किया। इसके पश्चात अध्यक्ष ने एक नंबर गेट के पास वीर तेजा ज्युस सेंटर प्रतिष्ठान का फीता काटकर उद्घाटन किया। प्रतिष्ठान के प्रोपराइटर नरेंद्र गुलेरिया ने आने वाले लोगों का स्वागत किया और आभार जताया। इस दौरान सीकर सालासर बस यूनियन के अध्यक्ष गोपाल ढाका, सालासर व्यापार मंडल अध्यक्ष ओमप्रकाश जाट, कोऑपरेटिव सोसायटी के उपाध्यक्ष रामलाल फागेडिया, प्रकाश गुर्ज, टिकुराम ढाका, बाबूलाल राव, प्रथम पुजारी राहुल ढाका सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

9 किलो 790 ग्राम डोडा पोस्त सहित मुल्ज़िम गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। पुलिस की ओर से चलाए जा रहे नशा खोरी के खिलाफ विशेष अभियान ऑपरेशन फ्लश आउट के तहत तारानगर उप पुलिस अधीक्षक रोहित सांखला के सुपरविजन में तारानगर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए मंगलवार को पंजाब के जिला मानसा के शार्दुलगढ़ थाना क्षेत्र के संदीपसिह पुत्र चरणसिह को 9.790 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। उक्त मामले का अनुसंधान भालेरी थानाधिकारी कर रहे है। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक रामप्रताप, कॉंस्टेबल राज कुमार, राजेंद्र सिह, बलवान, श्रवण कुमार, चालक अजीत सिँह आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

तारा छाई रात कार्यक्रम में राजलदेसर की पार्टी ने बांधा समां

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। गणगौर चौक विकास समिति की ओर से पावटे कुएं पर तारा छाई रात सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। देर रात तक चले कार्यक्रम में विमला देवी शर्मा के नेतृत्व में बालिकाओं ने ढ़फ पर आकर्षक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का षुभांम्भ किया। राजलदेसर हरिओम पार्टी ने एक से बढ़कर एक धमालों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को भाव-विभोर कर दिया। बांसुरी की धुन तबले की ताल, घुंघरू की झनकार पर थिरकते कदम अवसर था, सोमवार रात्री को तारा छाई रात सांस्कृतिक कार्यक्रम का। यहां कलाकारों ने एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियों पर लोग थिरकने पर मजबूर हो गए। इस अवसर पर एडवोकेट पवन कुमार शर्मा, एडवोकेट हनुमान प्रसाद, डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, जगदीश प्रसाद सर्राफ, गोपीराम गुसाई व अलाउद्दीन खान का आयोजन समिति के विजय सारस्वत, मनोज जोशी, मुकेश शर्मा, अनिल सिंधी व गोपाल कुदाल ने माला पहनाकर स्वागत किया। बता दें कि तारा छाई रात के संस्थापक संत कुमार सारस्वत थे, जिन्होंने तारा छाई रात सांस्कृतिक कार्यक्रम लगभग 25वर्षों तक आयोजन किया। इस अवसर पर पवन कुमार शर्मा, राजेन्द्र सिंह शेखावत, कौशल शर्मा, ललित चौहान, कैलाश चंद्र नवहाल, मंगतू राम बागड़ा, नंदू पूरी, महेश मिश्रा, पार्षद राकेश दाधीच, पार्षद राजकुमार सारस्वत, डॉ. जमील चौहान आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन उमेश दाधीच ने किया।

ट्रेन की टक्कर से अधेड़ की मौत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। भोजलाई बास निवासी 50 वर्षीय व्यक्ति की ट्रेन की टक्कर से मौत हो जाने का मामला सामने आया है। सूचना पर कोतवाली थाने के हेड कांस्टेबल सत्यनारायण मय जाप्ते के पहुंचे। टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार, एम्बूलेंस चालक नवरत्न बिजारणिया की मदद से ट्रेक पर बिखरे शव को एकत्रित कर राजकीय बगड़िया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। मृतक की पहचान सुरेश कुमार (50) पुत्र नेमीचंद प्रजापत, निवासी घिन्दड़ चौक के पास, के रूप में हुई है। वहीं अभिषेक प्रजापत ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया है कि मेरे पिता सुरेश कुमार का करीब कुछ माह पहले एक्सीडेंट हुआ था, उसके बाद उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी और वो रात में भी घर से निकल जाते थे। इसी प्रकार वो 31 मार्च की रात को भी घर से निकल गए थे, जिनकी लाश सम्राट होटल फाटक से करीब 500 मीटर की दूरी पर मंगलवार को सुबह मिली। आत्महत्या की जानकारी रिपोर्ट में दी गई है। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

तीन दिवसीय गणगौर महोत्सव का समापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी की ओर से गणगौर महोत्सव पर नवाचार करते हुए तीन दिवसीय भव्य गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। 30 मार्च को कर्वा पार्क के आगे महिलाओं के लिए घूमर नृत्य और गणगौर सजाओ प्रतियोगिता सहित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहीं 31 मार्च की शाम को सजे धजे ऊंट घोड़ो और बैंड बाजो के साथ गणगौर की शाही सवारी निकाली गई। इसी प्रकार मंगलवार को नगरपरिषद के आगे पंडित संपतमल देरासरी व आनन्द देरासरी के सानिध्य में छाजेड़ परिवार की प्राचीन गणगौर माता का वैदिक व शाही रीति रिवाज के साथ सभापति राजकरण चौधरी व आयुक्त मगराज डूडी, पार्षदो, जनप्रतिनिधियों व मातृशक्ति की ओर से विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। इसके बाद सजे धजे ऊंट घोड़े, गाजे बाजे और शाही लवाजमे के साथ गणगौर की शाही सवारी नगर परिषद से प्रस्थान कर ऐतिहासिक राजवाला कुएं पर पहुंची। जहां विधि विधान के अनुसार गणगौर और ईशर के फेरों की रस्म निभाई गई। जहां गणगौर का शाही स्वागत किया गया। यहां से मुख्य मार्गो से होती हुई शाही सवारी बोड़ीया कुएं की पहुंची। यहां गणगौर सवारी का रावतमल सैनी परिवार की ओर से सीताराम सैनी, शिवभगवान सैनी, मुरलीधर सैनी, बाबूलाल कम्मा परिवार की ओर से भव्य स्वागत कर पानी पिलाने व मुंह जुठाने की रस्में सम्पन्न करवाई गई। इसके पश्चात बोडिया कुएं से विदा होकर गणगौर की सवारी पुन मुख्य बाजार होते हुए नगर परिषद पहुंची। जहां गणगौर का विसर्जन किया गया। इसी प्रकार अनेक जगहों पर लोगों की ओर से पुष्प वर्षा व ठंडे पेय पदार्थ पिलाकर स्वागत किया गया। गणगौर सवारी के स्वागत में नगर परिषद, गांधी चौक और कर्वा पार्क में भव्य सजावट की गई। गणगौर उत्सव की समुचित व्यवस्था और सुरक्षा के मध्य नजर, प्रशासन और पुलिस जाब्ते का बंदोबस्त तैनात रहा। इसी के साथ तीन दिवसीय गणगौर महोत्सव का समापन हो गया। इस अवसर पर नगरपरिषद सभापति राजकरण चौधरी ने सभी शहर वासियों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि नगर परिषद की ओर से आयोजित तीन दिवसीय गणगौर महोत्सव में शहर वासियों ने भरपूर सहयोग किया। उन्होंने कहा कि हमें आशा है कि नगर परिषद की ओर से शुरू किए गए नवाचार आगामी वर्षों में भी जारी रहेंगे। इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष सुषमा पींचा, पार्षद हंसराज सिद्ध, रामवतार जांगिड़, दीपक बैद, जिप सदस्य गिरधारीलाल पारीक, ललित जैसनसरिया, अजय चौधरी, मोनू चौधरी, विकास सोनी, रूपचन्द सोनी, राकेश टाक, शुभकरण भाट, पवन माटोलिया, मुकेश लाहोरा, विमल जम्मड़, सुशील प्रजापत, राधेश्याम भार्गव सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

जन समस्याओं को लेकर किसान सभा ने की चर्चा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। अखिल भारतीय किसान सभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन नलिया बास स्थित रेल फाटक के पास किया गया। बैठक में उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए अखिल भारतीय किसान सभा के अध्यक्ष तेजपाल गोदारा ने कहा कि जिस प्रकार से गर्मी के मौसम में नहरबंदी करके आम जनता को पेयजल किल्लत में झोंक दिया जाता है, उसका समाधान होना चाहिए। इसके लिए जल्द ही प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाकर अधिकारियों से समाधान की मांग की जाएगी। कॉमरेड रामनारायण रूलाणिया ने कहा कि जिस प्रकार से नए पुलिस अधिकारी ने आते ही बयान जारी किए थे कि आठ के बजे बाद शहर में शराब नहीं बिकेगी, आज उसका उल्टा हो रहा है। हर जगह शहर में आठ बजे के बाद शराब बिक रही है। युवा नशे के गर्त में जा रहा है और अपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं और हाल ही में थाने से कुछ दूरी पर ही एक युवक का सर फोड़ दिया गया, जिससे जाहिर है कि अपराधियों में पुलिस का कोई खौफ नहीं है, लिए 4 अप्रेल को रैली के रूप में प्रदर्शन करते हुए एसपी के नाम ज्ञापन दिया जायेगा और व्यवस्थाओं को सुधारने की मांग की जाएगी। बैठक में किसान सभा की भूमि को साफ करवाकर समतल करवाने, उस पर भवन निर्माण आदि की व्यवस्था करने के बारे में भी विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इस अवसर पर एडवोकेट बनवारीलाल बिजारणिया, जगदेव बेड़ा, साबिर अली चौहान, मुमताज काजी, लालूराम बिजारणिया, पूनमचंद मेघवाल, गजानंद प्रजापत, खड़कदास स्वामी, विक्रम रूलाणिया, पीथाराम ज्याणी, जितेंद्र भार्गव, भंवरलाल बिजारणिया, महबूब बड़गुर्जर, रामनारायण स्वामी, सलीम, लियाकत खिची, रामेश्वरलाल दुसाद, बुधाराम गुलेरिया, चांदमल छरंग, एडवोकेट गंगाधर मूंड, दीनदयाल, विजय कुमार, भंवरू खां मोयल आदि मौजूद रहे।

आठ दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के आईएएसई डिम्ड टू बी यूनिवर्सिटी के संस्कृत व हिंदी विभाग की ओर से भारतीय भाषाएं दृष्टिकोण, शिक्षण और नवाचार विषय पर आयोजित आठ दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का समापन सोमवार को किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा, उनकी शिक्षण पद्धतियों और आधुनिक नवाचारों पर विस्तृत चर्चा करना था। इस संकाय विकास कार्यक्रम में देश के 20 राज्यों के 53 विश्वविद्यालयों से 137 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो नंद किशोर पांडे, आचार्य व संकायाध्यक्ष हिंदी विभाग राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर ने आभासी माध्यम से की। इस अवसर पर डॉ कैलाश पारीक डीन, कला व सामाजिक विज्ञान संकाय और डॉ पूरा राम मेघवाल डीन, शिक्षा संकाय, आईएएसई विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित विद्वान व संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन सत्र में कार्यक्रम समन्वयक डॉ मिलन बर्मन ने आठ दिवसीय कार्यक्रम का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिदिन तीन सत्रों का आयोजन किया गया। जिसमें प्रत्येक सत्र में एक प्रख्यात संसाधन व्यक्ति ने व्याख्यान दिया। इस संकाय विकास कार्यक्रम के संचालन में डॉ उमा सैनी, डॉ अल्पना शर्मा, डॉ सुस्मिता पुरकायस्थ और डॉ चंद्रकला स्वामी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन के अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक प्रो शिवम चतुर्वेदी ने सभी प्रतिभागियों, अतिथियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। आठ दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम प्रतिभागियों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुआ। जिसने भारतीय भाषाओं के अध्ययन, शिक्षण और नवाचार से संबंधित नई दृष्टि प्रदान की।

सारण बने खाद बीज संगठन के अध्यक्ष, गोस्वामी उपाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के जाट विकास संस्थान में खाद-बीज एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। संरक्षक रोहित पांडिया की उपस्थिति में सर्वसम्मति से मनीराम सारण को अध्यक्ष और सहदेव गोस्वामी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्यकारिणी में अन्य पदों पर भूदेव आर्य को प्रचार मंत्री, राजा सारण को कोषाध्यक्ष और रामनिवास सींवर को मंत्री बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों का एसोसिएशन के सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। बैठक में आगामी खरीफ फसल के लिए यूरिया-डीएपी की आपूर्ति पर विशेष चर्चा की गई। यूनियन के रोहित पांडिया और मंजीत बामल ने जिले में यूरिया-डीएपी का रैंक पॉइंट बनाने की मांग रखी। इससे किसानों को खाद की उपलब्धता में परेशानी नहीं होगी और पर्याप्त स्टॉक भी रखा जा सकेगा। एसोसिएशन ने यूरिया-डीएपी रैंक पॉइंट की मांग को लेकर मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री और सांसद-विधायकों को ज्ञापन देने का निर्णय लिया। नवनियुक्त अध्यक्ष सारण ने कहा कि जिले के खाद-बीज विक्रेताओं को संगठित होकर काम करना होगा। इससे उनके अधिकार सुरक्षित रहेंगे। इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य मोहनलाल बाना, मनरूप सारण, जयप्रकाश सींवर, सुभाष, बालचंद सैनी, प्रमोद माली, प्रदीप जागिड़, अशोक सारण, जयपाल सिंह, हेतराम हुड्डा, मुकेश न्योल, कपिल कस्वां, राकेश सारण, प्रकाश कड़वासरा, गोरधन पांडर, अशोक सारण, जयप्रकाश, प्रदीप सुथार, रामस्वरूप तरड, हेतराम, सतवीर, चुन्नीलाल रिणवां, राजेश कुमार, सुरेंद्र आदि मौजूद रहे।

बालाजी बुगंली ताल मैदान में सात दिवसीय हरिकीर्तन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर में 40 वर्षों बाद अखंड हरि नाम कीर्तन ताल मैदान स्थित चांडक परिवार की ओर से 94 वर्षों से स्थापित प्राचीन बालाजी बुंगली पर पहली बार सामूहिक सात दिवसीय हरि कीर्तन भक्तों की ओर से किया जा रहा हैं। पंडित राजेश कुमार, ओमप्रकाश, भागीरथमल, गणेशराम, संजय कुमार, मांगीलाल सहित बालाजी भक्तों की ओर से मधुर संगीतमय कीर्तन किया जा रहा हैं। इस अवसर पर महावीर पुजारी के साथ ललित लखोटिया, देवीप्रसाद मिमानी, सुशील शर्मा, पंडित सुखदेव कोशिक, सुशील शर्मा, भंवर लाल तोसनीवाल, शंभूदयाल पारीक, रामकिशन पारीक, शिवरतन पारीक, चंद्रशेखर वशिष्ठ, नेमीचंद सोमानी, निर्मल सोमानी, रवि मारोठीया, शांतिलाल सुथार, दीपचंद बिहानी, श्री कृष्ण कर्वा, मोहनलाल कड़ेल, बसंत सोमानी, सोनू जांगलवा, राजकुमार कर्वा, पवन मोदी, उमेश राव सहित बालाजी के भक्तों की ओर से आयोजन को भव्य बनाया जा रहा हैं। बुंगली भक्त मंडली व श्याम प्रेमी दरबार में हाजिरी लगा रहें है।

सुंदरकांड पाठ के साथ नव वर्ष का स्वागत

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के शाकम्भरी विद्यापीठ उच्च माध्यमिक विद्यालय में भारतीय नव वर्ष के स्वागत में सोमवार को सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। पाठ वाचक पितराम जोशी टीम ने मधुर रागनियों में हनुमान चालीसा व सुंदरकांड पाठ का वाचन कर वातावरण को भक्तिमय कर दिया। संस्था अध्यक्ष पुष्पा शर्मा व निदेशक दिव्या गौड़ ने भगवान श्रीराम व बालाजी महाराज का पूजन कर देश में खुशहाली व शांति की कामना की। प्रधानाचार्य भरत गौड़ ने बताया कि विद्यापीठ में हर वर्ष सुंदरकांड पाठ का आयोजन कर पारंपरिक रूप से नववर्ष का स्वागत किया जाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, स्टाफ सदस्य व विद्यार्थी उपस्थित रहे। पाठ के बाद सभी को प्रसाद वितरित कर नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रदान की गई।

21 अप्रेल से बदलेगी शहर की ट्रेफिक व्यवस्था, नया बस स्टैंड होगा फिर से शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ(नि.सं.)। हाल ही में जिला कलक्टर की ओर से घोषित किए गए नो पार्किंग जोन, नो एंट्री जोन और शहर की नई ट्रेफिक व्यवस्था के बारे में जारी किए गए आदेशों की पालना में सुजानगढ़ की प्रशासन तैयारी में जुट गया है। इसके लिए सुजानगढ़ उपखंड कार्यालय में उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा की संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपखंड अधिकारी ओमप्रकाश वर्मा ने जानकारी दी की 21 अप्रैल से नो पार्किंग संबंधी जारी किए गए आदेशों की पालना शुरू हो जाएगी इसके लिए प्रशासन सभी विभागों के अधिकारियों में समन्वय बिठाकर तैयारी कर रहा है। उपखंड अधिकारी ने कहा कि सभी सवारी बसें अशोक स्तंभ तिराहा तक आएगी और उसके बाद छापर रोड होते हुए उप पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक आएगी। अशोक स्तंभ से आगे रेलवे स्टेशन की ओर किसी भी प्रकार से सवारी भरी बसों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। उपखंड अधिकारी ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता हरि गोपाल वर्मा से कहा कि बोबासर पुलिया, सुजला तिराहा, गुलेरिया तिराहा पर भारी वाहनों के प्रवेश निषेध संबंधी बोर्ड लगाए जाए। शहर में लोडेड वाहनों का प्रवेश बंद होगा। उपखंड अधिकारी ने ऑटो चालकों से अपील की है कि वे नया बस स्टैंड 21 अप्रैल से शुरू होने पर सामान्य किराए में किसी प्रकार के बढ़ोतरी नहीं करें। जिस पर ऑटो चालक यूनियन के अध्यक्ष सत्यनारायण सांखला ने एक बार किराया नहीं बढ़ने का आश्वासन दिया। बैठक में डीटीओ बजरंगलाल, इंस्पेक्टर राजेश स्वामी को भी नए बस स्टेंड को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसी प्रकार सीआई बैगाराम मीणा को भोजलाई चौराहे के पास ऑटो स्टैंड विकसित करने की बात भी उपखंड अधिकारी ने कही। निजी बस ऑपरेटर्स की ओर से गणेश मंदिर तक बसों को आने की अनुमति चाही गई, जिस पर उपखंड अधिकारी ने कहा कि जिला कलक्टर के आदेश पारीत हो चुके हैं, हम लोग नियमों में ढ़ील नहीं दे सकते। उपखंड अधिकारी ने व्यापारियों से भी स्वत: अपने अतिक्रमण हटाने के लिए अपील की। इस अवसर पर तहसीलदार राजू देवी बुनकर, नगरपरिषद के सहायक अभियंता विक्रम जोरवाल, सफाई निरीक्षक मुनालाल मीणा, रोड़वेज के प्रतिनिधि, निजी बस संचालकों की ओर से ओमप्रकाश, जगदीश सारस्वत, रामलाल स्वामी आदि मौजूद रहे।

डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में हादसा, दो दर्जन टूटी टाइलें

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। सरकारी डीबी अस्पताल में मंगलवार को एक अजीब हादसा हुआ। इमरजेंसी वार्ड में दोपहर के समय अचानक जोरदार धमाके की आवाज आई। फर्श पर लगी करीब दो दर्जन टाइलें टूट गईं। धमाके की आवाज से वार्ड में मौजूद मरीजों में दहशत फैल गई। सभी मरीज घबराकर अपने बेड पर उठकर बैठ गए। वार्ड में ड्यूटी कर रहे नर्सिंग ऑफिसर तुरंत मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि बेड के नीचे लगी टाइलों के बीच बने हवा के दबाव के कारण टाइलें टूट गई थीं। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल के डिप्टी मेडिकल सुप्रींटेंडेंट डॉ. इदरिश खान मौके पर पहुंचे। वार्ड इंचार्ज नर्सिंग ऑफिसर मुकेश बावलिया ने बताया कि घटना दोपहर एक से डेढ़ बजे के बीच की है। उस समय वार्ड में मरीजों की संख्या अधिक थी और सभी नर्सिंग स्टाफ काम में व्यस्त था। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई। ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ ने टूटी हुई टाइलों को तुरंत एक तरफ हटा दिया। डॉ. इदरिश खान ने एमआरएस इंचार्ज ताराचंद मेघवाल को नई टाइलें लगवाने का तत्काल आदेश दिया है।

अल्प बचत एजेन्सी का करवाएं नवीनीकरण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले में अल्प बचत एजेंसियों को नीवनीकरण करवाने के लिए कहा गया है। कोषाधिकारी प्रवीण सिंघल ने बताया कि महिला प्रधान क्षेत्रीय बचत अभिकर्ता प्रणाली व प्राधिकृत अभिकर्ता प्रणाली के अभिकर्ताओं की एजेन्सी का प्रत्येक 3 वर्ष पश्चात् जून व दिसम्बर माह में नवीनीकरण किया जाता है। एजेन्सी के नवीनीकरण के लिए अभिकर्ता को आवेदन पत्र सहित समस्त दस्तावेजों, पूर्तियों के साथ संबंधित कोष कार्यालय में 45 दिन पूर्व जमा करवाना होता है। उन्होंने अल्प बचत की एजेन्सी नवीनीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज व प्रपत्र प्रारूप के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि जिले में सभी डाकघरों से संबंधित सभी अल्प बचत अभिकर्ता अल्प बचत एजेन्सी के नवीनीकरण के लिए आवेदन पत्र सहित समस्त दस्तावेजों, पूर्तियों के साथ इस कार्यालय में समय पर जमा करवाएं, ताकि नवीनीकरण की प्रक्रिया समय पर की जा सके। विलम्ब की स्थिति में अभिकर्ता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एक्शन मोड में, विकास को लेकर बैठक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने नगर निगम, जेडीए, एनएचएआई अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक ली। इस बैठक में विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा की गई। कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बैठक के दौरान अधिकारियों से झोटवाड़ा के विकास कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि झोटवाड़ा के समग्र विकास के लिए सभी एजेंसियों को मिलकर काम करना होगा। इस बैठक के दौरान कर्नल ने सड़कों, फ्लाईओवरों, जल आपूर्ति, और नालियों के निर्माण कार्यों की गति बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता बनाए रखने और समयसीमा के भीतर परियोजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिए। बैठक में कैबिनेट मंत्री ने शहर में चल रहे विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की व उन्होंने परियोजनाओं में पारदर्शिता और नागरिकों की सुविधाओं का ख्याल रखते हुए परियोजनाओं को धरातल पर शीघ्र उतारने के निर्देश दिए।

निर्माणाधीन मकान में चोरी करने वाले दो शातिर गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

कोटा(निसं.) महावीर नगर थाना पुलिस ने निर्माणाधीन मकान से वायर चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। साथ में एक कबाड़ी को भी पकड़ा है। आरोपी मोनू शाह (25) निवासी शिवपुरा और रमेशचंद सुमन (48) नयागांव इलाके का रहने वाला है। आरोपियों ने बोरखेड़ा ,कुन्हाड़ी,नान्ता, दादाबाड़ी इलाके में चोरी करना कबूला है। मोनू के खिलाफ 4 और रमेशचंद सुमन के खिलाफ 10 मामले दर्ज हैं। महावीर नगर थाना सीआई रमेश कविया ने बताया फरियादी कुंज बिहारी नागर ने थाने में शिकायत दी थी। जिसमें बताया कि वीर सावरकर नगर में उनका मकान है। अज्ञात चोरों ने 12 मार्च की रात 1 से तड़के 5 बजे के बीच मकान में चोरी की वारदात की। फिर 29 मार्च को भी चोरी की। अज्ञात बदमाश रात के समय मकान के लाइट व एसी की लाइन काट कर ले गए। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। आरोपियों की तलाश शुरू की। टीम ने चोरी के आरोप में मोनू शाह व रमेशचंद सुमन को गिरफ्तार किया।

बेहतर नागरिक सुविधाओं के लिए करें प्रयास, मुस्तैद रहे टीम : सुराणा

जिला कलक्टर ने छापर व बीदासर नगर पालिका का किया निरीक्षण, एफएसटीपी व गैनाणी का अवलोकन कर दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

चूरू/बीदासर/ छापर (निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने मंगलवार को जिले के छापर व बीदासर नगर पालिका का निरीक्षण किया और एफएसटीपी व गैनाणी का अवलोकन कर अधिकारियों को समुचित दिशा- निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कहा कि बेहतरीन नागरिक सेवाओं के लिए प्रयास करें तथा इसके लिए इसके लिए टीम मुस्तैद रहे। नागरिकों को बेहतरीन सुविधाएं प्रदान करना हमारी प्राथमिकता है। हम इस दिशा में संकल्पित होकर समुचित प्रयासों के साथ बेहतरीन प्रबंधन करें। उन्होंने कहा कि आगामी बरसात को देखते हुए अभी से सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं। पालिका क्षेत्रों में स्थित सभी नाले- नालियों की सफाई करवाएं और गैनाणी का पानी खाली करवाएं। बरसात के दौरान पानी भराव क्षेत्रों के लिए प्रबंधन करते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। पंप हाउस, मोटरें आदि सुचारू रखें। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में दीवारों पर रंग - रोगन, पेंटिंग आदि करवाएं और सौन्दर्यकरण पर विशेष फोकस करें। जिला कलक्टर सुराणा ने बीदासर नगर पालिका कार्यालय में कार्मिकों की उपस्थिति जांच की तथा कार्यालय व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए समुचित प्रबंधन के निर्देश दिए। सुराणा ने कहा कि संसाधनों के विकास के साथ कार्मिकों व टीम के बेहतरीन प्रबंधन से समुचित सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि एफएसटीपी का कनेक्शन करवाकर 15 अप्रैल तक सुचारू रूप से चालू किया जाए। इसी के साथ एमआरएफ को चालू करवाएं। बरसात के मौसम के मध्यनजर अभी से ही समस्त तैयारी कर लें। उन्होंने यूडी टैक्स वसूली के साथ लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने बीदासर पंचायत समिति, कचरा डंपिंग यार्ड, एफएसटीपी का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आमजन ने जिला कलक्टर को बीदासर पालिका में सफाई, अतिक्रमण से संबंधित समस्याएं रखी, जिस पर जिला कलक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बीदासर ईओ कुंदन देथा ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इसी के साथ सुराणा ने बीदासर में कृषि मंडी खोलने के लिए चिन्हित भूमि का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर बीदासर प्रधान संतोष मेघवाल, सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, सुजानगढ़ एसडीएम ओमप्रकाश वर्मा, बीदासर तहसीलदार सुदेश महला भी साथ रहे। जिला कलक्टर ने छापर में गैनाणी, एफएसटीपी, पालिका कार्यालय, कचरा डंपिंग यार्ड का निरीक्षण किया। छापर में नगर पालिका अध्यक्ष श्रवण माली, ईओ भवानीशंकर पारीक ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी।

गणगौर महोत्सवः सांझ गीतां री कार्यक्रम में दिखी लोक संस्कृति की झलक

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मनोरंजन क्लब में संवाद संस्थान चूरू की ओर से सोमवार देर रात को गणगौर महोत्सव का आयोजन किया गया। सांझ गीतां री कार्यक्रम में गींदड़ और चंग नृत्य पर थिरकते कलाकारों के साथ बाल गायिकाओं ने लोक गीतों का ऐसा समां बांधा कि मरुधरा झूम उठी। इस दौरान विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा और पूर्व सभापति गोविन्द महनसरिया ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत् शुभारंभ किया। गोपाल पारीक ने वंदेमातरम में सांझ से कार्यक्रम का आगाज किया। विजय लक्ष्मी की लोक गीतों की पहली प्रस्तुति ने गीतों की सांझ ने वातावरण में समां बांध दिया। युवा कलाकार प्रमोद गौड़, लीलाधर कत्थक, बजरंग कत्थक ने राजस्थानी गीतों, बालिका दिव्या लाटा, ललिता प्रजापत, बबीता कस्वां, दृष्टि व काव्या ने लोक नृत्य और सीताराम प्रजापत व सुजानसिंह खींची ने लोक कला में समां बांधा। जिला मनोरंजन क्लब की टीम की युवा शक्ति ने जब गींदड़ नृत्य की प्रस्तुतियां दी, तो उपस्थित दर्शक भी अपने आपको थिरकने से रोक नहीं पाए। पाबूसर की ढ़प मण्डली के कलाकारों ने धमाल पर चंग नृत्य के साथ ऐसी तान छेड़ी की उपस्थित श्रोता झूमने पर मजबूर हो गए। गींदड़ और चंग के कलाकारों ने लयबद्ध गीतों के साथ कलाकारों ने चक्रासन नृत्य किया। लोक गायकी के साथ चंग की थाप और नगारे पर गूंजती धमाल के बीच जब गोपाल पारीक, नीरज गौड़, कुलदीप शर्मा व निरंजन सैन ने आ तो सुरगां नै सरमावै ई पर देव रमण ने आवै धरती धोरां री प्रस्तुत किया, तो राजस्थान की संस्कृति साकार हो उठी। इससे पूर्व योगेश गौड़, महेश मिश्रा, सुरेन्द्र बावलिया, बाबू पाटिल, कालू महर्षि, रचना कोठारी, वीणा शर्मा, नरेन्द्र षर्मा, गुरुदास भारती, राजीव बहड़ आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन आर्किटेक्ट अनुराग शर्मा व रवि दाधीच ने किया।

भानीपुरा तहसील कार्यालय का किसान आज करेंगें घेराव, धरना जारी

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। भानीपुरा तहसील के पिचकराई ताल के पटवार मंडल के किसानों ने भानीपुरा तहसील कार्यालय के आगे अनिश्चितकालीन रात दिन का धरना मंगलवार को चौथे दिन भी जारी रहा। कॉमरेड रामकृष्ण छींपा ने बताया कि पटवार मंडल पिचकराई ताल में सरसों का प्रयोग गलत तरीके से किया गया हैं। जिसमें गीली सरसों का वजन 24 किलो आया जबकि सुखाने के बाद में 11 किलो 200 ग्राम आया हैं। बीमा कंपनी ने किसानों को गुमराह कर सरसों को बाहर से मिलावट गई है। अन्यथा सुखाने के बाद इतना ज्याद वजन कभी नहीं होता हैं। इसलिए प्रयोग को निरस्त कर दुबारा करने की मांग को लेकर किसानों की ओर से धरना दिया जा रहा हैं। मांग को लेकर एसडीएम व जिला कलैक्टर को भी ज्ञापन दिया गया हैं। धरने पर रामदेव भाकर, काशीराम सारण, मानाराम पोटलिया, संजय कुमार, रामकरण भांभू, बलवीर भारती, रामलाल, भंवरलाल, अमीचंद, निकुराम नाई, कृष्ण कुमार, ओमप्रकाश, हरफूल, धनपत, उपेंद्र, अनिल, प्यारेलाल, हनुमान सहित बड़ी संख्या में किसान धरना देकर किसानों की समस्या के समाधान की मांग कर रहें हैं। किसानों ने बताया कि मांग नहीं मानी जाएगी तो बुधवार को भानीपुरा तहसील कार्यालय का घेराव किया जाएगा।

जोधपुर में एम्स की नर्सिंग ऑफिसर ने लगाया फंदा, सुसाइड से पहले दोस्त से बात कर रही थी

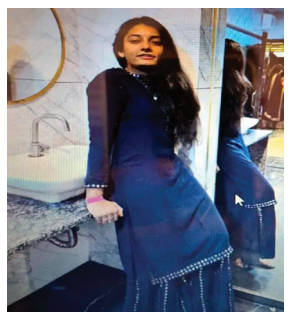

जोधपुर(निसं.) जोधपुर एम्स में नर्सिंग ऑफिसर ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। जानकारी के अनुसार सुसाइड करने से पहले नर्सिंग ऑफिसर अपने दोस्त से फोन पर बात कर रही थी। नर्सिंग ऑफिसर शादीशुदा थी और जोधपुर संगरिया फांटा में किराए के घर में रहती थी। मामला 30 मार्च को दोपहर तीन बजे का है। बासनी स्ाह नितिन दवे ने बताया- डिंपल चितारा (28) मूलरूप से गुजरात के मेघाणी नगर (अहमदाबाद) की रहने वाली थी। रविवार (30 मार्च) दोपहर को उसके दोस्त को सुसाइड की आशंका की जानकारी दी। उसने बताया कि डिंपल ने उससे बातचीत के दौरान सुसाइड की धमकी दी है। दोस्तों ने डिंपल के परिवार को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिवार ने जब मकान मालिक की मदद से कमरा खुलवाया तो डिंपल फंदे पर लटकी मिली। स्ाह ने बताया कि डिंपल पति से अलग रह रही थी। सुसाइड के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। मामले में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। घटना के बाद अहमदाबाद से पहुंचे परिवार को 31 मार्च को शव सौंप दिया

जानलेवा हमले के आरोपी को बाड़मेर सिटी में पैदल घुमाया, 6 माह से था फरार

जयपुर टाइम्स

बाड़मेर(निसं.) बाड़मेर शहर के रेन बसेरा ओवरब्रिज पर 6 माह पहले बदमाशों ने लाठी-डंडो से हमला करने वाले आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया। आज आरोपी को मौका तस्दीक करने के लिए कोतवाली से घटना स्थल तक परेड करवाई गई। आरोपी 5 मामलों का वांटेड है। फिलहाल पुलिस वांटेड से पूछताछ कर रही है। कोतवाल बलभद्र सिंह ने बताया- दुर्जनसिंह पुत्र भीमसिंह निवासी केलनोर को कोतवाली थाने में दज मामले में गिरफ्तार किया गया था। आज घटना स्थल मौका तस्दीक करवाने के लिए लेकर गए है। जहां पर उसने युवक के साथ मारपीट की थी। इस पर पहले से 8 मामले दर्ज है। आम जन मे विश्वास व आरोपियों मे भय के संकल्प से आज 5 प्रकरणों मे वांछित 25 हजार रूपये का इनामी अपराधी को गिरफ़्तारी के बाद शहर मे पैदल घुमाया गया ताकि आरोपियों मे पुलिस का भय बराकरार रहे और आमजन में पुलिस का विश्वास कायम रहें। आपको बता दे कि आरोपी ने सोमवार को बाड़मेर एसपी के सामने पेश होकर आत्मसमर्पण किया था। वही मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को मारपीट करने वाले स्थान से मुख्य बाजार से होते हुए कोतवाली थाने तक पैदल घुमाया। पुलिस के अनुसार- लंगेरा गांव निवासी श्रवण सिंह पुत्र बालू सिंह 12 अक्टूबर 2024 को बाइक पर सवार होकर बाड़मेर शहर मार्केट में जागरण का सामान लेने के लिए जा रहा था। रेन बसेरा ओवरब्रिज पर गाड़ी में आए बदमाशों ने बाइक को टक्कर मार कर रुकवाया। उसके बाद लाठी- डंडो से हमला कर दिया। गंभीर हालत में युवक को मौके पर छोड़कर बदमाश भाग गए थे। युवक ने गांव में अवैध खनन माफियाओं की शिकायत की हुई थी। इसी रंजिश के चलते युवक पर किसी ने जानलेवा हमला करवाया गया था।

कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सौम्य स्वभाव से ही व्यक्तित्व की पहचानः कुमार अजय

डीओआईटी संयुक्त निदेशक मनोज कुमार माहेश्वरी का अभिनंदन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। डीओआईटी में मंगलवार को अधिकारियों - कर्मचारियों ने संयुक्त निदेशक मनोज कुमार माहेश्वरी का उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए अभिनंदन किया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों ने अभिनंदन पत्र, साफा, शॉल, श्रीफल व माल्यार्पण से माहेश्वरी का सम्मान किया। इस मौके पर उप निदेशक (जनसंपर्क) कुमार अजय ने कहा कि एक कार्मिक के सफल कार्यकाल में कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और सौम्य स्वभाव ही उसकी पहचान बनता है। इस पहचान की बदौलत इंसान हर जगह आदर और सम्मान प्राप्त करता है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी के अनुभवों का भरपूर लाभ मिला है। माहेश्वरी की संवेदनशीलता, कर्तव्यनिष्ठा, विनम्रता, सहजता व सरलता प्रेरणादायी है। एसीपी नरेश दुहानिया ने कहा कि शांत और सरल स्वभाव के धनी माहेश्वरी का समय प्रबंधन, सहयोग व अनुभव प्रेरणादाई है। हम सभी इनके सुखद अनुभवों से लाभ उठाएंगे। इस अवसर पर एसीपी कमलेश कुमार शर्मा, एपीआरओ मनीष कुमार, प्रोग्रामर राजेंद्र प्रजापत, प्रोग्रामर महावीर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए। संयुक्त निदेशक मनोज कुमार माहेश्वरी ने जिले में मिले स्नेह और सहयोग के लिए सभी का आभार जताया और कहा कि जिले में सभी के सम्मिलित प्रयासों से सुखद अनुभव हुए। इस मौके पर उप निदेशक (जनसम्पर्क) कुमार अजय, एसीपी नरेश दुहानिया, एपीआरओ मनीष कुमार, प्रोग्रामर राजेंद्र प्रजापत, प्रोग्रामर महावीर सिंह सहित संयुक्त निदेशक के परिजन, जनसंपर्ककर्मियों व उपस्थितों ने संयुक्त निदेशक मनोज माहेश्वरी के दीर्घायु होने व उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान संयुक्त निदेशक के भाई बृजमोहन माहेश्वरी, उनकी पत्नी उषा माहेश्वरी, पुत्री मेघना माहेश्वरी का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। प्रोग्रामर राजेंद्र प्रजापत ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन सहायक प्रोग्रामर अभिषेक सरोवा ने किया। इस दौरान प्रोग्रामर इंद्राज सिंह, महावीर सिंह, सहायक प्रोग्रामर निर्मल कुमार, मोहम्मद इस्लाम, पवन सिंह, गुरप्रीत सिंह लबाना, प्रमोद प्रजापत, अभिषेक सरोवा, निरंजन शर्मा, हितेश कुमावत, गौरव शर्मा सूचना सहायक कृष्ण, इंद्र कुमार, अभय कमांड सेंटर से मनोज कुमार, सुनीता हुडा, संजय सोनी आदि उपस्थित रहे।

जनसंपर्ककर्मियों ने किया अभिनंदन

इस अवसर पर पब्लिक रिलेशंस एंड एलाइड सर्विस एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (प्रसार) की चूरू जिला शाखा की ओर से डीडीपीआर कुमार अजय, एपीआरओ मनीष कुमार, सहायक प्रशासनिक अधिकारी रामचंद्र गोयल, सहायक प्रोग्रामर अभिषेक सरोवा, वरिष्ठ सहायक मंगेज सिंह, बजरंग मीणा, सूचना सहायक धर्मपाल सिंह, संजय गोयल, सिकंदर खान, इंद्र सिंह ने माहेश्वरी का अभिनंदन - पत्र भेंट कर सम्मान किया।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।